कोटद्वार, रविवार
3 मई 2026
वर्षः 49
अंकः 14 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एग्जिट पोल्स पर ममता का हमला, शेयर बाजार में हेरफेर का लगाया आरोप

–टीएमसी 200 पार के साथ सत्ता में करेगी वापसी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के बाद सामने आए एग्जिट पोल्स पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इन एग्जिट पोल्स की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए शनिवार को कहा, कि इनके जरिए शेयर बाजार में हेरफेर करने की कोशिश की जा रही है।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख एवं सीएम ममता बनर्जी ने एग्जिट पोल्स को पूरी तरह खारिज करते हुए दावा किया कि उनकी पार्टी इस बार 200 से अधिक सीटें जीतकर सत्ता में वापसी करेगी। मतगणना से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर पार्टी की स्थिति बेहद मजबूत है और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम जीत के रूप में सामने आएगा।

सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि एग्जिट पोल्स का इस्तेमाल केवल जनमत का आकलन करने के लिए नहीं, बल्कि शेयर बाजार के व्यवहार को प्रभावित करने के एक औजार के रूप में किया जा रहा है। पार्टी सूत्रों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में इस बात का दावा किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया, एग्जिट पोल स्टॉक मार्केट में हेरफेर करने की एक कोशिश के अलावा और कुछ नहीं हैं। 2021 और 2024 में भी ऐसा ही किया गया था और इस बार भी वही प्रयास हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि टीएमसी फिर से सरकार बनाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अंतिम समय तक सतर्क और सक्रिय रहने की अपील की।

अभिषेक ने किया समर्थन

ममता के बयान के बाद अभिषेक बनर्जी ने भी उनकी बातों का समर्थन किया। डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव के दौरान मतदाताओं, खासकर महिलाओं को डराने-धमकाने के लिए केंद्रीय बलों का दुरुपयोग किया है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के नेता गांव-गांव जाकर माहौल प्रभावित करने की कोशिश करते रहे हैं। इस बीच कई जगहों पर महिलाओं व बच्चों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं भी सामने आई हैं। साथ ही, उन्होंने मीडिया के एक वर्ग पर भी पक्षपातपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप लगाया। चुनाव परिणामों से पहले इस तरह के आरोप-प्रत्यारोपों ने राज्य की राजनीति को और गर्मा दिया है। अब सबकी नजरें मतगणना के नतीजों पर टिकी हैं, जो इन दावों की सच्चाई को स्पष्ट करेंगे।

मिशन पंजाब- शाह संभालेंगे कमान, ड्रग्स के खिलाफ भाजपा छेड़ेगी बड़ा अभियान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मैराथन चुनावी अभियान के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पंजाब की राजनीति पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित कर दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए भाजपा ने 卐मिशन पंजाब卐 का खाका तैयार किया है, जिसके तहत अमित शाह अब चुनाव होने तक हर महीने राज्य का दौरा करेंगे। इस बार भाजपा की चुनावी रणनीति के केंद्र में ड्रग्स का मुद्दा रहने वाला है। बताया जा रहा है कि मई महीने से ही पंजाब में नशे के खिलाफ एक व्यापक अभियान की शुरुआत की जाएगी, जिसकी कमान स्वयं अमित शाह संभालेंगे। इस अभियान के अंतर्गत पूरे राज्य में जागरूकता यात्राएं निकाली जाएंगी, जिनमें समय-समय पर केंद्र और राज्य स्तर के दिग्गज नेता भी शिरकत करेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर जैसे राज्यों में सत्ता में होने के कारण भाजपा वहां मजबूत स्थिति में है, लेकिन पंजाब में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए उसे एक बड़े और प्रभावी मुद्दे की तलाश थी। ऐसे में ड्रग्स के खिलाफ यह मुहिम चुनावी बिसात पर एक अहम चाल मानी जा रही है। भाजपा नेताओं का दावा है कि यह अभियान केवल राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि पंजाब के युवाओं को बचाने और सामाजिक बदलाव लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। शाह के नेतृत्व में तैयार होने वाला यह नशामुक्त पंजाब रोडमैप राज्य की सियासत में नई हलचल पैदा करने वाला साबित होगा। आने वाले समय में ड्रग्स, कानून-व्यवस्था और विकास जैसे मुद्दों पर राज्य का राजनीतिक पारा और अधिक चढ़ना तय माना जा रहा है।

धनबाद में दर्दनाक हादसा : कोयले की स्लरी में दबकर 4 मजदूरों की मौत, कई के फंसे होने की आशंका

धनबाद (एजेंसी)। झारखंड के धनबाद जिले से शनिवार शाम एक दर्दनाक औद्योगिक हादसे की खबर सामने आई है। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) की मुनीडीह कोल वाशरी परियोजना में स्लरी लोडिंग के दौरान अचानक कोयले का भारी ढेर मजदूरों पर आ गिरा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस हादसे में अब तक 4 ठेका मजदूरों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि शनिवार शाम करीब 5 बजे ट्रकों में स्लरी लोड करने का काम चल रहा था, तभी अचानक स्लरी का बड़ा हिस्सा भरभराकर नीचे गिर पड़ा और वहां काम कर रहे मजदूर उसकी चपेट में आ गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, बीसीसीएल प्रबंधन और राहत दल मौके पर पहुंच गए। जेसीबी मशीनों और अन्य उपकरणों की मदद से युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। स्थानीय प्रशासन ने चार शव बरामद होने की पुष्टि की है। घटना के बाद मजदूरों और परिजनों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। हादसे ने एक बार फिर खदानों और औद्योगिक परियोजनाओं में सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

क्रूज हादसा : बरगी से निकाले गए दो बच्चों के शव, मृतक संख्या 11 हुई

जबलपुर (एजेंसी)। बरगी में चल रहे सर्च अभियान के दौरान आज शनिवार शाम विराज सोनी पिता कृष्ण सोनी (5) निवासी कोतवाली व श्रीतमिल पिता कामराज (5), निवासी वेस्टलैंड खमरिया का शव पाया गया। दो शव और मिलने के बाद क्रूज हादसे में मृतक संख्या बढ़कर 11 पहुंच गई है। बरगी बांध में गुरुवार को डूबे क्रूज में सवार लापता चार पर्यटकों में से दो बच्चों के शव मिल गए हैं, जबकि दो अन्य की तलाश अब भी जारी है। हादसे के 48 घंटे बाद भी राहत एवं बचाव दल लापता लोगों की खोज में जुटा हुआ है। विराज सोनी का शव शनिवार शाम 6 बजे घटनास्थल के पास मिला है। शव को सफेद कपड़े में लपेटकर मेडिकल कॉलेज भिजवाया है। इसके साथ ही हादसे में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। कामराज (45) और उनका भतीजा मयूरम अब भी लापता है। सेना के साथ एनडीआरएफ-एसडीआरएफ वोट से सर्चिंग कर रही है। तेज हवा और डैम में उठ रही लहरों के कारण रेस्क्यू में समस्या आ रही है। मौके पर पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौजूद हैं। सर्चिंग टीम ने लापता लोगों की तलाश के लिए दायरा बढ़ा दिया है। एसडीओपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि बीच-बीच में सर्चिंग कुछ देर के लिए रोकी जाती है। छोटी वोट होने के कारण तेज हवा में रेस्क्यू अभियान संभलकर चलाना पड़ रहा है। हादसे को हुए 48 घंटे से ज्यादा हो चुके हैं। अब भी 2 लोगों की बॉडी नहीं मिली है।

जहां क्रूज डूबा वहां मगरमच्छ नहीं देखे गए

मध्य प्रदेश टूरिज्म अधिकारियों ने कहा कि घटना स्थल पूरी तरह पथरीला है, इसलिए यहां मगरमच्छ नहीं देखे गए हैं, क्योंकि वे आमतौर पर कीचड़ वाले स्थान पर रहते हैं। बरगी बांध में मगरमच्छ हो सकते हैं, लेकिन वे घटनास्थल से कई किलोमीटर दूर हैं। जहां क्रूज डूबा, वहां पहले कभी मगरमच्छ नहीं देखे गए और न ही स्थानीय लोगों ने ऐसा सुना है।

दिल्ली सीएम टिप्पणी मामला : पीयूष सुराणा को जमानत, कांग्रेस का सत्ता के दुरुपयोग का आरोप

अजमेर (एजेंसी)। राजस्थान के अजमेर में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर कथित अश्लील टिप्पणी मामले में गिरफ्तार कांग्रेस नेता पीयूष सुराणा को जमानत मिली है। खबर मिलते ही अजमेर कांग्रेस शहर अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल के नेतृत्व में कार्यकर्ता एडीएम सिटी कार्यालय पहुंचे और भाजपा पर सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सुराणा को बिना किसी निष्पक्ष जांच के गिरफ्तार किया गया था। डॉ. जयपाल ने कहा कि कांग्रेस हमेशा महिलाओं का सम्मान करती है और इस पूरे मामले की वरिष्ठ अधिकारी से निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने थाने में भाजपा महिला मोर्चा के कथित व्यवहार को भी निंदनीय बताकर जांच की मांग की। नेता प्रतिपक्ष द्रौपदी कोली ने भाजपा पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को डराने की कोशिश करने का आरोप लगाकर कहा कि पार्टी इसतरह के प्रयासों से डरेगी नहीं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के पक्ष में कांग्रेस हमेशा खड़ी रही है और हमारे कार्यकर्ता को बिना जांच के गिरफ्तार किया गया। कांग्रेस नेता कोली ने भाजपा महिला मोर्चा के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जमानत पहले भी मिल सकती थी, लेकिन जानबूझकर इसमें देरी की गई।

बिहार में ऑर्केस्ट्रा पर पुलिस का शिकंजा : 21 नाबालिग रेस्क्यू, मानव तस्कर एजेंट गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार पुलिस ने पूरे राज्य में ऑर्केस्ट्रा पर बड़ी कार्रवाई शुरू की है, जो अब तक देह व्यापार का अड्डा बने हुए थे। पुलिस मुख्यालय के आदेश के बाद, इन ऑर्केस्ट्रा को रेड लाइट एरिया की तर्ज पर स्कैन किया जा रहा है ताकि इसमें चल रहे अवैध धंधों का पर्दाफाश हो सके। सीवान में 450 से अधिक ऑर्केस्ट्रा की जांच के दौरान अब तक 21 नाबालिग लड़कियों को रेस्क्यू किया गया है, इन लड़कियों से जबरन जिस्मफरोशी कराई जा रही थी। इसी कड़ी में, सारण पुलिस ने एक ऑर्केस्ट्रा से एक बांग्लादेशी लड़की को भी बरामद किया। किशनगंज में भी छापेमारी कर पुलिस ने 5 पुरुषों और 3 महिलाओं को गिरफ्तार किया है। सीवान पुलिस इन अवैध ऑर्केस्ट्रा को पूरी तरह बंद कराने की तैयारी में जुट गई है। पुलिस ने लड़कियों की खरीद-फरोख्त करने वाली मुख्य एजेंट गुड़िया को सीवान से गिरफ्तार किया है। उस पर नेपाल, बंगाल और देश के अन्य हिस्सों से लड़कियों की तस्करी करने का गंभीर आरोप है। पुलिस अधिकारियों ने दावा किया है कि अगले 15 दिनों के भीतर ऑर्केस्ट्रा पर और भी बड़े पैमाने पर कार्रवाई की जाएगी, जिससे इस धंधे में फंसी और भी कई लड़कियों को मुक्त कराया जा सकेगा।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती गोरखपुर से निकालेंगे 'गविष्ठी धर्मयुद्ध यात्रा'

वाराणसी (एजेंसी)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती गौरक्षा का संकल्प लेकर 'गविष्ठी धर्मयुद्ध यात्रा' निकालेंगे। यह यात्रा प्रदेश के 403 विधानसभाओं से होकर गुजरेगी। यात्रा के दौरान शंकराचार्य सनातनी जनता से संवाद स्थापित करके उनको गौरक्षा के लिए श्रेष्ठ योगदान प्रदान करने के लिए प्रेरित करेंगे।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का कहना है कि गौमाता को राष्ट्र माता और राज्य माता घोषित कर उनके प्राणों की रक्षा करने में सरकार के समक्ष क्या कठिनाई है। क्या गौमांस के व्यापार से ही भारत के उदर की पूर्ति होगी। जगद्गुरू शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि गौमाता के प्राणों की रक्षा के लिए जितना यत्न भारत में हुआ अगर उतना प्रयास पाकिस्तान में भी होता तो वहां भी गौमाता के प्राणों की रक्षा सुनिश्चित कर उनको राष्ट्रमाता घोषित कर दिया जाता। दुर्भाग्य है कि भारत में खुद को हिंदूवादी कहने वाली सरकार के कानों पर जूं तक नही रेंग रही है। आखिर गौमाता को राष्ट्र माता और राज्य माता घोषित कर उनके प्राणों की रक्षा करने में सरकार के समक्ष क्या कठिनाई है? क्या अब गौमांस के व्यापार से ही भारत के उदर की पूर्ति होगी। गौमाता की रक्षा एवं प्रतिष्ठा के लिए सरकार को स्वयं सज्ञान लेकर कानून बनाना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि जब लोकतंत्र में हर जगह बहुमत से निर्णय होता है, तो गौमाता की रक्षा के लिए इस देश का बहुमत बार-बार निवेदन कर रहा है। फिर भी बहुमत की अवज्ञा करने का क्या कारण है। भारत में सभी सनातनी चाहते हैं कि गौमाता राष्ट्रमाता घोषित हों, लेकिन स्वतंत्रता के 78 वर्ष बीत जाने के बाद भी हिंदुओं की आवाज को अनसुनी किया जा रहा है। धिक्कार है सरकारों को, जिन्होंने हिंदुओं के वोट लेकर हिंदुओं के साथ छल किया है। अब समय आ गया है कि सनातनी राजनीति का प्रारंभ कर अपने गौमाता के प्राणों एवं सनातनी मूल्यों की रक्षा करें। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कि हम लोगों की 11 मार्च को लखनऊ में गविष्ठी यात्रा की घोषणा हुई थी। उत्तर प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों से होकर यह गुजरेगी।

बंगाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के बावजूद निष्पक्ष मतदान नहीं हुआ: अल्वी

–चुनाव आयोग पर कांग्रेस ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक बयानबाज़ी तेज हो गई है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने चुनाव प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान व्यापक स्तर पर अनियमितताएं हुई हैं, जो लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ दो-चार जगहों पर अनियमितताएं नहीं हुईं बल्कि पूरे बंगाल में हुई हैं। बंगाल और असम में जिस प्रकार से चुनाव हुआ वह लोकतंत्र पर कलंक है।

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने शनिवार को कहा कि गड़बड़ियां केवल कुछ क्षेत्रों तक सीमित नहीं थीं, बल्कि पूरे पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के बावजूद निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित नहीं हो पाया। उनके अनुसार, करीब ढाई लाख केंद्रीय बलों की मौजूदगी के बावजूद जिस तरह की घटनाएं सामने आईं, वह लोकतंत्र पर 'कलंक' के समान हैं।

चुनाव आयोग भाजपा का अग्रिम संगठन बना?

कांग्रेस नेता ने यह भी दावा किया कि चुनाव ड्यूटी में ऐसे अधिकारियों को तैनात किया गया, जिनका झुकाव भारतीय जनता पार्टी की ओर है। उन्होंने मतगणना प्रक्रिया को लेकर भी आशंका जताई और कहा कि वहां भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया जा सकता है। इसी संदर्भ में उन्होंने तीखा सवाल उठाते हुए कहा, 'क्या चुनाव आयोग भाजपा का कोई अग्रिम संगठन बन गया है?'

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी किसी भी स्थिति में पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल करना चाहती है। अल्वी ने यह भी कहा कि यदि राज्य में भाजपा की सरकार बनती है, तो यह देश के लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकता है।

फाल्टा में हुए विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि टीएमसी कार्यकर्ता हिंसा या गड़बड़ी में शामिल हैं, तो चुनाव आयोग और तैनात पैरामिलिट्री बल क्या कर रहे हैं। उनके अनुसार, चूंकि चुनाव के दौरान पूरा प्रशासन चुनाव आयोग के अधीन होता है, इसलिए किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की जिम्मेदारी आयोग पर ही आती है।

कमर्शियल सिलेंडर महंगा: मायावती बोलीं, जनता पर महंगाई की एक और मार

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने हाल ही में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में हुई 993 रुपये की भारी वृद्धि पर अपनी गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने इस बढ़ोत्तरी को आम जनता के लिए एक बड़ी मार बताकर कहा कि पहले से ही बढ़ती महंगाई से जूझ रहे गरीब और मध्यम वर्ग पर इस तरह का अतिरिक्त बोझ डालना जनहित के बिल्कुल खिलाफ है। बसपा प्रमुख ने केंद्र सरकार से मांग की है कि पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को नियंत्रित रखने वाली नीति को लगातार जारी रखा जाए। उनका मानना है कि ऐसा करने से ही जनता को राहत मिल सकेगी और देश में बढ़ती महंगाई पर लगाम लगाई जा सकेगी। अपने एक्स पर लिखते हुए मायावती ने बताया कि देश में कमर्शियल सिलेंडर की भारी किल्लत के बीच, उसकी कीमत में एकमुश्त 993 रुपये की वृद्धि और उसका आम जनजीवन पर पड़ने वाला प्रभाव सभी मीडिया की सुर्खियों में है। उन्होंने इस आशंका पर चिंता जाहिर की कि जल्द ही रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल सहित अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं, जिससे लोगों में बेचैनी व्याप्त है। मायावती ने कहा कि इसका वास्तविक कारण चाहे अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध हो या कुछ और, केंद्र सरकार ने जिस तरह से राज्यों के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को काफी हद तक नियंत्रण में रखा था, उसी नीति को वर्तमान में भी व्यापक जनहित और जनकल्याण के लिए जारी रखना चाहिए। उन्होंने इस देशहित में उचित बताया। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में इस तरह की वृद्धि से देश के अधिकतर गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव का गंभीरता से आकलन करे और उसी के आधार पर अपनी नीतियों का निर्धारण करे ताकि जनता को वास्तविक राहत मिल सके।

राजनीतिक पाला बदलना राघव चड्ढा को पड़ा भारी

सोशल मीडिया पर अनफॉलो अभियान से जेन-जेड दे रही है झटका

नई दिल्ली(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के पूर्व पोस्टर बॉय राघव चड्ढा के लिए भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का फैसला डिजिटल मोर्चे पर एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। चड्ढा, जो अपनी आधुनिक सोच और युवा छवि के लिए जाने जाते थे, इन दिनों सड़कों पर होने वाले प्रदर्शनों के बजाय एक अलग तरह के विरोध का सामना कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल और उनकी पुरानी पार्टी के समर्थकों ने अब सोशल मीडिया पर अनफॉलो बटन को अपना हथियार बना लिया है। विशेष रूप से जेनरेशन जेड के युवाओं के बीच उनकी घटती लोकप्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है।

एक चार्टर्ड अकाउंटेंट से राजनेता बने राघव चड्ढा की पहचान हमेशा से एक एक्सेसिबल नेता की रही है। ब्लिंकिट डिलीवरी जैसे रोजमर्रा के उदाहरणों और सामान्य व्यवहार के कारण युवा उन्हें पुराने ढर्रे के राजनेताओं से अलग मानते थे। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के साथ उनके विवाह ने उन्हें एक ग्लैमरस पहचान भी दी, जिससे वे युवाओं के लिए एक पड़ोस के लड़के (बॉय नेक्स्ट डोर) वाली छवि में फिट बैठते थे। हालांकि, जानकारों का मानना है कि उनका अचानक पाला बदलना युवाओं को पुरानी और गंदी राजनीति की वापसी जैसा महसूस हुआ है, जिससे उनका मोहभंग हो रहा है।

राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, युवा मतदाताओं में छवि को लेकर बहुत संवेदनशीलता होती है। राजनीति विज्ञान के जानकारों का कहना है कि युवा सांसदों से अक्सर सार्वजनिक नैतिकता और स्वच्छ राजनीति की एक नई संस्कृति लाने की उम्मीद की जाती है। चड्ढा ने अपनी छवि एक ऐसे नेता के रूप में गढ़ी थी जो आम जनता के मुद्दों से सरोकार रखता है, लेकिन हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों ने उनके समर्थकों को निराश किया है। विशेषकर जेन-जी विश्वासघात या व्यक्तिगत विशेषाधिकार को सुरक्षित रखने वाले राजनीतिक कदमों को आसानी से स्वीकार नहीं करती।

आज के दौर में डिजिटल दुनिया में किसी को अनफॉलो करना केवल एक तकनीकी क्रिया नहीं, बल्कि एक सशक्त राजनीतिक बयान बन गया है। यह बिना शोर मचाए अपनी असहमति दर्ज कराने का आधुनिक तरीका है। चड्ढा ने जो ऑनलाइन पहचान और साख बनाई थी, अब उसी के कारण उनके हर कदम की सूक्ष्मता से जांच हो रही है। सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स की संख्या में गिरावट यह स्पष्ट संकेत देती है कि डिजिटल युग में लोकप्रियता जितनी जल्दी मिलती है, उतनी ही जल्दी राजनीतिक निष्ठा बदलने पर छिन भी सकती है। चड्ढा के लिए अब चुनौती अपनी इस खोई हुई डिजिटल साख को फिर से हासिल करने की है।

नीतीश कुमार ने छोड़ा सीएम आवास, 7 सर्कुलर रोड बना नया पता

–लालू के पड़ोसी बने नीतीश

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1 अणे मार्ग स्थित सीएम हाउस को खाली कर दिया है। अब वह अपने नए पते 7 सर्कुलर रोड पर शिफ्ट हो गए हैं। उनके बेटे निशांत कुमार भी इसी नए आवास में उनके साथ रहने वाले है। शनिवार को ही मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी उनसे मिलने 7 सर्कुलर रोड पहुंचे, जहां उप मुख्यमंत्री विजय चौधरी पहले से मौजूद थे। इन तीनों के बीच करीब बीस मिनट तक मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा हुई। इससे पहले, सुबह नीतीश कुमार उप मुख्यमंत्री विजेंद्र यादव के आवास पर गए और करीब दस मिनट तक वहां रुके।

शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा के शुभ मौके पर नीतीश कुमार ने अपने इस नए बंगले में विधिवत पूजा-अर्चना की थी। इस दौरान निशांत कुमार भी मौजूद रहे और पूजा के लिए विशेष रूप से बौद्ध भिक्षुओं को आमंत्रित किया गया था। पूजा के बाद वह वापस 1 अणे मार्ग लौट गए थे, लेकिन शनिवार सुबह तक उनके सामान को नए आवास में स्थानांतरित करने का काम जारी रहा। इस बंगले को फूलों से सजाया गया है और सुरक्षा के मद्देनजर यहां पहले ही जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा तैनात कर दी गई है।

बीते बीस सालों में यह दूसरी बार है जब नीतीश ने सीएम हाउस छोड़कर 7 सर्कुलर रोड वाले बंगले में कदम रखा है। इसके पहले 2014 के लोकसभा चुनाव में हार के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ दिया था और जीतनराम मांझी को मुख्यमंत्री बनाया था, तब वे करीब आठ महीने बंगले में रहे थे। 7 सर्कुलर रोड स्थित यह बंगला नीतीश ने अपनी विशेष देखरेख में तैयार करवाया है। यह आधुनिक तकनीक से निर्मित है और बड़े भूकंप के झटकों को सहने में सक्षम है। बंगले के लॉन को खास लुक देने के लिए कोलकाता से मंगवाकर घास लगाई गई है। यह आवास पहले मुख्यमंत्री के कार्यालय के रूप में उपयोग किया जा रहा था। इस नए आवास में शिफ्ट होने के साथ ही नीतीश और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव एक-दूसरे के पड़ोसी बन गए हैं। राबड़ी आवास यहां से बस दो घर बाद है, दोनों बंगलों के बीच करीब 200 मीटर की दूरी है और दोनों सर्कुलर रोड के दक्षिण तरफ स्थित हैं।

भारत बनाएगा अग्नि-6 बैलिस्टिक मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियार

–यह मिसाइल पुरानी अग्नि श्रृंखला की तुलना में कहीं ज्यादा बेहतर रेंज

नई दिल्ली(एजेंसी)। डीआरडीओ प्रमुख समीर वी कामत ने देश की रक्षा क्षमताओं को लेकर जानकारी दी जिसमें अग्नि-6 बैलिस्टिक मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियारों के विकास की प्रगति शामिल है। उन्होंने बताया कि भारत की सबसे आधुनिक इंटरकांटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-6 का कार्यक्रम शुरू करने के लिए डीआरडीओ पूरी तरह तैयार है और अब केवल केंद्र सरकार की मंजूरी का इंतजार है। यह मिसाइल पुरानी अग्नि श्रृंखला की तुलना में कहीं ज्यादा बेहतर रेंज और मारक क्षमता वाली होगी।

दिल्ली में आयोजित एक नेशनल सिक्योरिटी समिट में कामत ने भारत की बढ़ती सैन्य ताकत का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया, जिसमें अग्नि-6 के साथ-साथ हाइपरसोनिक मिसाइलों पर तेजी से चल रहे काम को भी रेखांकित किया गया। उनका दावा है कि आने वाले समय में भारत की मिसाइल शक्ति विश्व की सबसे घातक ताकतों में से एक होगी। अग्नि-6 को भारत के रक्षा बेड़े की सबसे अहम कड़ी माना जा रहा है। यह हजारों किलोमीटर दूर बैठे दुश्मन को निशाना बनाने में सक्षम होगी।

डीआरडीओ प्रमुख ने संकेत दिया कि इसकी तकनीक मौजूदा प्रणालियों से कई गुना आगे है, और इसमें मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल टेक्नोलॉजी होने की उम्मीद है। इसका अर्थ है कि एक ही मिसाइल एक साथ कई अलग-अलग ठिकानों पर हमला कर सकेगी। सरकार की मंजूरी मिलते ही भारत उन चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो जाएगा जिनके पास यह अत्यंत घातक और लंबी दूरी की मिसाइल क्षमता है। समीर वी कामत ने हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल के बारे में भी अहम जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि भारत का एलआर-एएसएचएम कार्यक्रम अब उन्नत चरण में पहुंच चुका है, और बहुत जल्द इस हाइपरसोनिक मिसाइल का पहला परीक्षण किया जा सकता है। भारत वर्तमान में दो प्रकार की हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी पर काम कर रहा है। हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल और हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल। उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्लाइड मिसाइल का विकास क्रूज मिसाइल की तुलना में काफी आगे है। इसकी गति इतनी प्रचंड होती है कि किसी भी रडार सिस्टम के लिए इसे पकड़ना करीब असंभव हो जाता है। हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल स्क्रैमजेट इंजन का उपयोग करती है और अपनी पूरी उड़ान के दौरान इंजन की शक्ति से संचालित होती है। भारत इन दोनों पर अनुसंधान कर रहा है, लेकिन ग्लाइड संस्करण का परीक्षण अब अत्यंत निकट है। यह उपलब्धि भारत को उन चुनिंदा देशों की सूची में खड़ा कर देगी जिनके पास हाइपरसोनिक हथियार मौजूद हैं। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने भी मल्टी-लेयर्ड मिसाइल डिफेंस की जरुरत पर जोर दिया है, जिसमें कम दूरी, मध्यम दूरी और लंबी दूरी की मिसाइलों का मिश्रण होगा। डीआरडीओ प्रमुख के मुताबिक इस नई मिसाइल फोर्स में 2000 किलोमीटर तक की रेंज वाली बैलिस्टिक मिसाइलें, क्रूज और हाइपरसोनिक मिसाइलें शामिल होंगी। प्रलय जैसी शॉर्ट रेंज मिसाइलें अपने परीक्षण के अंतिम चरण में हैं और जल्द ही सेना का हिस्सा बन सकती हैं। यह समेकित तैयारी भारत की सामरिक शक्ति को एक नया और दुर्जेय आयाम प्रदान करेगी।

हर विकासखण्ड में बालिकाओं के लिए खुलेगा छात्रावास : धामी

सीएम घोषणाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिये निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री घोषणाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने तथा उनकी प्रभावी निगरानी के लिए प्रोग्राम इवैल्यूएशन एंड रिव्यू टेक्निक (पी.ई.आर.टी.) चार्ट तैयार किया जाए। बिजली, पेयजल, वनाग्नि, मानव-वन्यजीव संघर्ष तथा सड़क से संबंधित समस्याओं का विभागों द्वारा यथाशीघ्र समाधान किया जाए। स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिन घोषणाओं के अभी तक शासनादेश जारी नहीं हुए हैं, उन्हें 15 जून 2026 तक जारी किया जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय से जनसमस्याओं का समाधान करें।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री घोषणाओं के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्रों यमकेश्वर, पौड़ी, श्रीनगर, चौबट्टाखाल, लैंसडाउन और कोटद्वार की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को ये निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्रत्येक विकासखंड में बालिकाओं के लिए एक-एक छात्रावास बनाया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक ब्लॉक में छात्राओं की सर्वाधिक संख्या वाले विद्यालयों को चिन्हित करते हुए आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। उन्होंने कहा कि रघुनाथ मंदिर, कोट ब्लॉक स्थित लक्ष्मण मंदिर तथा फलस्वाड़ी स्थित सीता माता मंदिर को धार्मिक सर्किट के रूप में भव्यता से विकसित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायकों द्वारा केंद्रीय विद्यालय संगठन खोलने के लिए दिए जा रहे प्रस्तावों पर शिक्षा विभाग तथा संबंधित जिलाधिकारी केंद्र सरकार के मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजे जाने पर उन्हें शीघ्र स्वीकृति मिल सके। युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पौड़ी में मल्टीपरपज हॉल बनाया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणाओं से संबंधित रोपवे प्रकरणों की अलग से समीक्षा की जाए। साथ ही पार्किंग की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान किया जाए तथा सरकारी कार्यालयों में नियमित रूप से सोलर पैनल लगाए जाएं। बैठक में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, डॉ. धन सिंह रावत, विधायक श्रीमती रेनू बिष्ट, राजकुमार पोरी, दलीप सिंह रावत, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली, रविनाथ रमन, डॉ. पंकज कुमार पांडेय, डॉ. आर. राजेश कुमार, रणवीर सिंह चौहान, वर्चुअल माध्यम से गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पाण्डेय और जिलाधिकारी पौड़ी श्रीमती स्वाति भदौरिया उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी नगाण गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में हुए सम्मिलित

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तहसील बड़कोट के नगाण गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में प्रतिभाग कर क्षेत्रवासियों के साथ आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान की कथा श्रवण कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। शनिवार को भाजपा मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान के धर्मपत्नी स्वर्गीय उमा जी के वार्षिक श्राद्ध पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा नगाण गांव पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जब से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी बने हैं तब से देश में सनातन धर्म का स्वर्णिम युग आया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, अयोध्या में राममंदिर बना है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा के अनुश्रवण से मनुष्य की बुद्धि, विवेक जगाता है वहीं पितरों को भी बैकुंठ धाम की प्राप्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि जैसे वृंदा वन में वृंदा धाम है वैसे ही उत्तराखंड में देव भूमि है जहां चारधाम विराजमान हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने केदारनाथ पुनर्निर्माण के बाद बद्रीनाथ में मास्टर प्लान के तहत कार्य किया है। उन्होंने सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि विकास एक दिन कि प्रक्रिया नहीं है बल्कि अनवरत रूप से चलने वाली प्रक्रिया है।

संक्षिप्त समाचार

जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ का चरणबद्ध आंदोलन शुरू

उत्तरकाशी। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने 13 सूत्री मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिया है। आंदोलन के प्रथम चरण में शनिवार को जनपद भर के जूनियर हाईस्कूलों में कार्यरत शिक्षक शिक्षिकाओं ने बाएं बांह में काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। साथ ही जल्द मांगों का निस्तारण न होने पर 12 मई से उप शिक्षा अधिकारी कार्यालय में धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के अध्यक्ष भगत सिंह महर ने बताया कि लंबे समय वह प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापकों को पूर्ण सेवाकाल में तीन पदोन्नतियां देने, प्रदेश के समस्त जूनियर हाईस्कूल में पांचवां पद अंग्रेजी विषय का अनिवार्य रूप से सृजित करने, प्रदेश के शिक्षक कार्मिकों को पुरानी पेंशन व्यवस्था को बहाल करने, माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की भांति प्रारंभिक व जूनियर हाईस्कूल के शिक्षकों को भी संपूर्ण सेवाकाल में एक बार अंतरजनपदीय स्थानांतरण की सुविधा देने सहित अन्य मांग कर रहे हैं लेकिन अब तक उन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे शिक्षकों में रोष है। 12 मई से उप शिक्षा अधिकारी कार्यालय में धरना-प्रदर्शन, 18 मई को जनपद मुख्यालयों में रैली, 29 मई को प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय पर धरना और 8 जून को सचिवालय कूच करेंगें। इस मौके पर भगत सिंह महर, घनश्याम प्रसाद पैन्यूली, दिनेश सिंह चौहान, शूरवीर सिंह पडियार, महावीर सिंह सजवाण, जगवीर सिंह खरोला आदि मौजूद रहे।

केस दर्ज होने के बाद भी आरोपी पहुंचे भूमि पर

काशीपुर। कृषि भूमि पर अतिक्रमण करने और मारपीट के एक आरोपी ने केस दर्ज होने के बाद फिर भूमि पर पहुंचकर मजदूरों से अभद्रता की और काम रुकवाने की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। रामनगर रोड निवासी जितेंद्र अरोरा पुत्र स्व. ओमप्रकाश अरोरा ने आईटीआई कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंपी। कहा कि खड़कपुर देवीपुरा में उसकी पैतृक कृषि भूमि है। जिस पर दो लोगों ने जालसाजी व मिलीभगत कर अतिक्रमण का प्रयास किया था। पीड़ित ने कहा कि इस विवाद के चलते उनके पिता ओमप्रकाश को गहरा मानसिक आघात पहुंचा था और बीते 21 अप्रैल को उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने 22 अप्रैल को जितेंद्र चावला व वरुण कुमार शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। एसडीएम की मौजूदगी में प्रशासन ने भूमि की पैमाइस कराई गई। जांच में शिकायत सही पाई गई और अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया गया था। आरोप है कि बीते 30 अप्रैल को जब पीड़ित हरिद्वार पिता की अस्थि विसर्जन के लिए गया था। तब आरोपी पक्ष के लोगों ने खेत पर पहुंचकर मजदूरों के साथ अभद्रता और धमकी दी। सूचना पर आईटीआई कोतवाली से पुलिस पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी भाग चुके थे। जितेंद्र अरोरा ने बताया बीते 1 मई की दोपहर एक आरोपी अन्य व्यक्ति के साथ खेत पर पहुंचा और काम रुकवाने की धमकी दी। इस घटना की कुछ वीडियो क्लिप भी है। एसएसआई अरविंद बहुगुणा ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

केदारनाथ धाम में यात्रियों की मदद को तत्पर पुलिस

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा के दौरान जिला पुलिस सुरक्षा के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सहायता में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है। भीड़भाड़ के बीच पुलिस ने कई यात्रियों का खोया सामान तलाश कर उन्हें वापस सौंपा, जबकि बिछड़े श्रद्धालुओं को उनके परिजनों से मिलाया। गौरीकुंड में पुलिस ने अजमेर निवासी विकास मेहरा और मुंबई निवासी शिवम राव का खोया कीमती सामान ढूंढकर वापस किया। वहीं, पौड़ी गढ़वाल निवासी 65 वर्षीय सरोज देवी भीड़ में परिजनों से बिछड़ गई थीं, जिन्हें पुलिस टीम ने खोजकर परिवार से मिलाया। इसके अलावा धाम परिसर में एक बुजुर्ग महिला श्रद्धालु को भी पुलिस ने अनाउंसमेंट के माध्यम से परिजनों तक पहुंचाया। मंदिर परिसर में खोया बैग और एक श्रद्धालु का मोबाइल फोन भी बरामद कर वापस सौंपा गया। पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर ने कहा कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सहायता पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हर यात्री को सुरक्षित और सुगम यात्रा अनुभव मिले, इसके लिए पुलिस पूरी तत्परता से कार्य कर रही है।

कोषा के पास दूसरे दिन भी बंद रहा मलारी हाईवे

रुद्रप्रयाग। चीन सीमा को जोड़ने वाला ज्योतिर्मठ-मलारी हाईवे कोषा के पास शुक्रवार से बंद पड़ा हुआ है। बीआरओ की जेसीबी मशीन लगातार मलबा हटाने में लगी हुई है। लेकिन बोल्डर इतने अधिक और भारी भरकम हैं कि उन्हें हटाने में काफी समय लग रहा है। शुक्रवार सुबह करीब छह बजे मलारी हाईवे पर कोषा गांव के नजदीक भारी भरकम चट्टान गिर गई। हाईवे बाधित होने से सीमांत क्षेत्र के ग्रामीणों व सेना के वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से ठप हो गई। 36 घंटे से अधिक का समय हो चुका है, लेकिन अभी तक हाईवे खुलने का इंतजार किया जा रहा है। बीआरओ की जेसीबी मशीन शुक्रवार से ही मलबा हटाने में जुटी हुई है, देर रात तक काम करने के बाद शनिवार तड़के मशीन ने फिर काम करना आरंभ कर दिया। लेकिन जो बोल्डर गिरे हुए हैं वह भारी भरकम हैं। ऐसे में कई बोल्डरों को पहले तोड़ना पड़ रहा है, उसके बाद उनको वहां से हटाया जा रहा है। इससे हाईवे को खोलने में समय लग रहा है। एसडीएम चंद्रशेखर वशिष्ट ने बताया कि बीआरओ द्वारा हाईवे खोलने काम लगातार जारी है।

मानसून से पहले उत्तराखण्ड को बड़ी सौगात

– सेल ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम से एलर्ट का सफल परीक्षण

देहरादून। राष्ट्रीय स्तर पर आपदा पूर्व चेतावनी प्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं समयबद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शनिवार को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा सी-डॉट द्वारा उत्तराखण्ड सहित पूरे देश में सेल ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम के माध्यम से सफल परीक्षण अलर्ट जारी किया गया। प्रातः 11 बजकर 46 मिनट पर यह अलर्ट संदेश प्रसारित किया गया। उत्तराखण्ड ने लगातार इस आधुनिक तकनीक को जल्द से जल्द लागू किए जाने के लिए केंद्र सरकार एवं संबंधित एजेंसियों के समक्ष प्रभावी पैरवी की थी। इस उपलब्धि पर माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है।

इस सफल परीक्षण के साथ ही राज्य में आपदाओं के दौरान आम जनमानस तक त्वरित एवं लक्षित चेतावनी संदेश पहुंचाने हेतु सेल ब्रॉडकास्ट तकनीक का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ हो गया है। इस तकनीक के माध्यम से

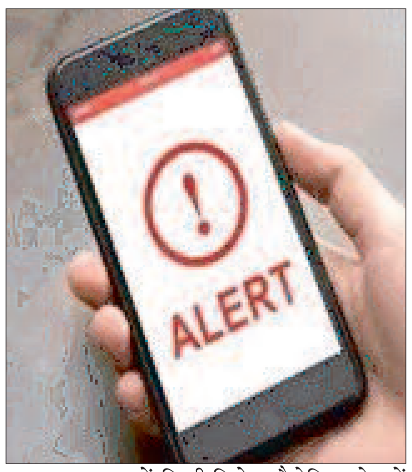

अब उत्तराखण्ड में किसी विशेष भौगोलिक क्षेत्र में स्थित मोबाइल उपभोक्ताओं को एक साथ अलर्ट भेजे जा सकेंगे। बता दें कि उत्तराखण्ड में आगामी मानसून सीजन से पहले ही इस तकनीक को लागू करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विशेष अनुरोध पर इस प्रणाली का प्रथम परीक्षण भी उत्तराखण्ड में ही किया गया था। राज्य द्वारा उस परीक्षण के आधार पर महत्वपूर्ण तकनीकी एवं व्यवहारिक फीडबैक राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा सी-डॉट को उपलब्ध कराए गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह तकनीक उत्तराखण्ड जैसे आपदा-संवेदनशील राज्य के लिए अत्यंत उपयोगी एवं वरदान सिद्ध होगी। विशेष रूप से चारधाम यात्रा एवं आगामी मानसून सीजन के दौरान इस प्रणाली का व्यापक उपयोग किया जाएगा, जिससे यात्रियों एवं स्थानीय निवासियों को समय रहते सटीक एवं प्रभावी चेतावनी उपलब्ध कराई जा सकेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा निरंतर यह प्रयास किया गया कि मानसून प्रारंभ होने से पूर्व यह तकनीक राज्य को उपलब्ध हो, ताकि संभावित आपदाओं के प्रति जनमानस को समय रहते सचेत किया जा सके।

आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक ने इस पहल को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक गेम-चेंजर बताते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक के समुचित उपयोग से राज्य में आपदा जोखिम न्यूनीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। उन्होंने कहा कि सेल ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक समय पर चेतावनी पहुंचाना अब संभव हो सकेगा, जिससे आपदाओं के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित होगी और जनहानि में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकेगी।

साइकिल से चारधाम यात्रा पर निकले दून के तीन जांबाज

उत्तरकाशी। देहरादून के साइकिलिंग ग्रुप पहाड़ी पेडलर के तीन सदस्य हिमालय ग्लेशियर संरक्षण और कूड़ा प्रबंधन के लिए साइकिल से चारों धामों की यात्रा कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने गंगोत्री और यमुनोत्री धाम यात्रा मार्ग पर स्थानीय लोगों सहित यात्रियों को जागरूक किया। दल यात्रा मार्ग पर स्थित स्कूलों में जाकर छात्र-छात्राओं को स्वच्छता का संदेश भी दे रहा है। बीते रविवार को दिनेश थपलियाल, सागर क्षेत्री और देबू थापा के अभियान को देहरादून से पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान और कल्याण सिंह रावत मैथिली ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दल ने गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा पूरी कर ली है। उन्होंने बताया कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण का संरक्षण और हिमालय ग्लेशियरों को बचाना है।

दल के सदस्यों ने कहा कि इन ग्लेशियरों से ही गंगा और यमुना नदी निकलती हैं। आज के समय में बढ़ते प्रदूषण के कारण ग्लेशियर पीछे खिसकने के साथ ही समाप्त हो रहे हैं। इससे आने वाले समय में देश में जलस्त्रोत समाप्त हो जाएंगे। हिमालय क्षेत्र बहुत ही संवेदनशील है। हम पर्यावरण को दूषित कर इसे प्रभावित कर रहे हैं और कूड़ा खुले में फेंक रहे हैं।

लैंड फ्रॉड समिति ने धोखाधड़ी के मामलों की समीक्षा की

देहरादून । गढ़वाल कमिश्नर कार्यालय में आयोजित बैठक में लैंड फ्रॉड समिति ने प्रदेश में भूमि से जुड़े धोखाधड़ी के मामलों की गंभीर समीक्षा की। बैठक की अध्यक्षता कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन मामलों में धोखाधड़ी की पुष्टि हो चुकी है, उनमें तत्काल केस दर्ज किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी अधिकारियों पर भी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि भूमि से संबंधित विवादों और धोखाधड़ी के मामलों की जांच पारदर्शी तरीके से की जाए। समिति ने कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए त्वरित कदम उठाए जाएं और लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। कमिश्नर पांडे ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मामलों की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाए,

सीएम की घोषणा के नौ साल बाद भी नहीं बनी सड़क

उत्तरकाशी। ग्राम पंचायत खनेड़ा के ग्रामीणों की बैठक में सड़क निर्माण शुरू नहीं होने पर नाराजगी जताई गई। ग्रामीणों ने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणा के नौ साल बीतने के बाद भी सड़क निर्माण शुरू नहीं हो पाया है। इससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जल्द ही सड़क निर्माण का कार्य शुरू न होने पर सरकारी कार्यक्रमों का बहिष्कार करने की चेतावनी दी। ग्रामीणों ने इस संबंध में एसडीएम के माध्यम से डीएम को ज्ञापन प्रेषित किया। खनेड़ा गांव में ग्राम प्रधान संगीता रावत की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। ग्रामीणों ने कहा कि ग्राम पंचायत खनेड़ा के लिए मोटर मार्ग का वर्ष 2018 में सीएम घोषणा के तहत स्वीकृति मिली थी। नौ वर्ष बीतने के बाद भी निर्माण कार्य धरातल पर शुरू नहीं हो पाया है जिससे ग्रामीणों में भारी रोष है।उन्होंने जल्द ही जल्द सड़क निर्माण कार्य शुरू न करने पर सरकारी कार्यक्रमों का बहिष्कार करने की चेतावनी दी।

कांग्रेस की महंगाई,छात्रों के उत्पीड़न, कानून व्यवस्था पर आक्रोश रैली

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस ने बढ़ती महंगाई,छात्रों के उत्पीड़न, बेरोजगारी, बिगड़ती कानून व्यवस्था और बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर जन आक्रोश रैली निकाली। शनिवार को बल्लूपुर चौक से बल्लीवाला नाथ पैलेस तक विशाल जन आक्रोश रैली निकाली गई। रैली में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने लगातार बढ़ती महंगाई,छात्रों के उत्पीड़न, बेरोजगारी, बिगड़ती कानून व्यवस्था और बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर सरकार पर निशाना साधा। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि आज उत्तराखंड की जनता त्रस्त है। महंगाई आसमान छू रही है। रोजगार नहीं मिलने से बेरोजगार युवा निराश है। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने में सरकार की उदासीनता बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। आरोप लगाया कि लगातार पुलिस प्रशासन के द्वारा छात्रों के उत्पीड़न और अमानवीय व्यवहार की घटनाएं सामने आ रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि उत्तराखंड की पहचान शांति और सुरक्षा की रही है, लेकिन आज हालात चिंताजनक हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं और सरकार केवल मूकदर्शक बनी हुई है।

यातायात नियम तोड़ने पर 36 चालान, सात वाहन सीज

अल्मोड़ा। 'ऑपरेशन प्रहार' अभियान के तहत रानीखेत पुलिस ने शनिवार को यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान 36 वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई, जबकि सात वाहनों को सीज किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देश पर जिलेभर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों और शांति व्यवस्था भंग करने वाले तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक रानीखेत भुवन चंद्र जोशी की मौजूदगी में एसएसआई बिशन लाल, उपनिरीक्षक बृजमोहन भट्ट, महिला उपनिरीक्षक हेमा कार्की और पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों पर वाहनों की जांच की। अभियान के दौरान बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ओवरस्पीडिंग, त्रुटिपूर्ण दस्तावेज और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 36 वाहन चालकों के खिलाफ मोटर वाहन

अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। वहीं रैश ड्राइविंग और नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के मामलों में सात वाहनों को सीज किया गया। पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की हिदायत दी।

संदिग्ध फाइल डाउनलोड करते ही खाते से उड़े 1.17 लाख रुपये

रुद्रपुर। रुद्रपुर के ट्रांजिट कैंप कोतवाली क्षेत्र में एक युवक साइबर ठगी का शिकार हो गया। व्हाट्सएप पर आई संदिग्ध फाइल डाउनलोड करते ही उसके बैंक खाते से 1.17 लाख रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिव सिटी कॉलोनी, ट्रांजिट कैंप निवासी आनंद कुमार सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 16 मार्च को उनके व्हाट्सएप पर एक एप्लीकेशन फाइल का मैसेज आया था, जिसे उन्होंने डाउनलोड कर लिया। अगले दिन 17 मार्च को उनके मोबाइल पर एसएमएस आया, जिसमें खाते से 1.17 लाख रुपये कटने की जानकारी मिली। पीड़ित के अनुसार, किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके खाते से यह रकम निकाल ली। उन्होंने इसकी शिकायत एनसीआरपी पोर्टल पर भी दर्ज कराई है।

जिला मजिस्ट्रेट ने दो कुख्यात अपराधी किए जिला बदर

देहरादून। जिला मजिस्ट्रेट की ओर से अपराधियों पर सख्त रुख अख्तियार किया गया है। जनसामान्य में सुरक्षा की भावना को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय ने गुंडा नियंत्रण अधिनियम के अंतर्गत दो आदतन अपराधियों को छह माह के लिए जिला बदर कर दिया है। जिला मजिस्ट्रेट सविन बंसल ने एसएसपी कार्यालय से प्राप्त आख्या एवं प्रभारी निरीक्षक, कोतवाली विकासनगर की चालानी रिपोर्ट के आधार पर आसिफ पुत्र राशिद निवासी मुस्लिम बस्ती, चौकी बाजार के पीछे, कोतवाली विकासनगर के विरुद्ध कार्यवाही प्रारम्भ की। उक्त व्यक्ति के विरुद्ध आयुध अधिनियम सहित भारतीय दण्ड संहिता एवं भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में अनेक आपराधिक मुकदमे पंजीकृत हैं। आसिफ पर थाना विकासनगर में आर्मस एक्ट समेत कई केस दर्ज हैं। इसी प्रकार राहुल कश्यप पुत्र गोपाल कश्यप, निवासी कश्यप मोहल्ला, जीवनगढ़, कोतवाली विकासनगर के विरुद्ध चोरी, शस्त्र अधिनियम, आबकारी अधिनियम तथा भारतीय दंड संहिता/भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत कई आपराधिक मामले पंजीकृत हैं। बताया गया कि कई मामलों में लोग उसके विरुद्ध शिकायत अथवा साक्ष्य प्रस्तुत करने से भी कतराते हैं।

डेढ़ दांत वाले लंगड़े हाथी की विभाग ने बढ़ाई निगरानी

हल्द्वानी। तराई केंद्रीय वन प्रभाग के टांडा रेंज में जंगली हाथियों की बढ़ती गतिविधियों ने स्थानीय प्रशासन और ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। एक के बाद एक तीन लोगों की मौत के बाद वन विभाग ने अब एक विशेष हाथी पर अपनी नजरें टिका दी हैं, जिसकी पहचान डेढ़ दांत वाले लंगड़े हाथी के रूप में हुई है। वन क्षेत्राधिकारी रूप नारायण गौतम के अनुसार, हमला करने वाले हाथी की पहचान कर ली गई है। यह हाथी डेढ़ दांत वाला है और एक पैर से लंगड़ा है। इस विशिष्ट पहचान के बाद विभाग ने इसकी गतिविधियों पर विशेष नजर रखनी शुरू कर दी है। हाथियों का मूवमेंट अब जंगल से निकलकर आबादी वाले क्षेत्रों और खेतों की ओर बढ़ रहा है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष का खतरा गहरा गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए संवेदनशील इलाकों में गश्त और निगरानी तेज कर दी गई है। वन क्षेत्राधिकारी के अनुसार, वर्तमान में हाथी प्रजनन उग्रता के दौर से गुजर रहे हैं। इस अवधि में नर हाथियों के भीतर होने वाले हामीनल बदलाव उनके व्यवहार को असामान्य रूप से उत्तेजित और आक्रामक बना देते हैं।

खाद संकट पर कांग्रेस का प्रदर्शन, सोसायटी गेट पर तालाबंदी

रुद्रपुर। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शक्तिफार्म बहुद्देशीय किसान सेवा सहकारी समिति कार्यालय में सांकेतिक तालाबंदी कर मुख्य गेट पर प्रदर्शन किया। इसके बाद समिति अध्यक्ष केपी मंडल को ज्ञापन सौंपा गया। शनिवार को कांग्रेसियों ने किसानों के साथ मिलकर यूरिया, डीएपी और एनपीके खाद वितरण से संबंधित कृषि निदेशालय के आदेश को निरस्त करने की मांग उठाई। किसानों का कहना है कि इस आदेश से उन्हें समय पर आवश्यकता के अनुसार खाद नहीं मिल पाएगी। उन्होंने सरकार पर तुगलकी फरमान जारी करने का आरोप लगाते हुए इसे किसानों के शोषण वाला आदेश बताया। किसानों ने मांग की कि पूर्व की भांति सोसायटियों के माध्यम से खाद वितरण की व्यवस्था बहाल की जाए। उनका कहना था कि खाद वितरण को नियंत्रित करना और प्रति एकड़ केवल एक कट्टा खाद देने का नियम खेती और किसानों के लिए नुकसानदायक

है। समिति अध्यक्ष कृष्णपद मंडल ने आश्वासन दिया कि किसानों को आवश्यकता के अनुसार खाद उपलब्ध कराई जाएगी। इस दौरान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष उत्तम आचार्य, प्रदेश सचिव नवतेज पाल सिंह, रंजीत मंडल, सुनील हाल्दार, बलवंत बोहरा, विष्णु तरफदार, शिव मंडल, रविंद्र बाइन, श्रीकांत मिस्त्री और विश्वजीत सहित कई लोग मौजूद रहे।

एक नजर

नहीं थम रहा बंदरों का आतंक, वार्डवासी हो रहे परेशान

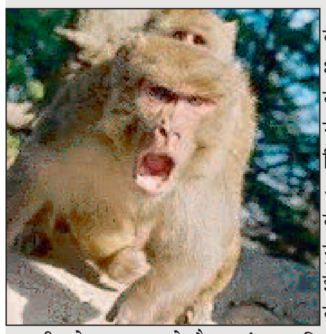

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के वार्डों में बंदरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है, आए दिन बंदरों के झुंड आबादी क्षेत्र में आकर काश्तकारों की खेती को नुकसान पहुंचा रहे है, इसके अलावा लोगों के बगीचों में उगी साग सब्जी को चट कर रहे है, यहां तक कि बंदरों को भगाने पर उल्टा वे काटने को भी दौड़ रहे है। लालपानी निवासी चंद्रमोहन व सतीश ने बताया कि बंदरों के झुंड आबादी क्षेत्र में आकर भारी नुकसान पहुंचा रहे है, बंदरों के झुंड बगीचों में फलदार पेड़ों को नुकसान पहुंचा रहे है। कहा कि बंदरों ने उनकी खेतों में उगी साग, सब्जी को चट कर दिया है। कहा कि कई बार संबंधित विभाग को बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की गई है, लेकिन अभी तक बंदरों को आबादी क्षेत्र में आने से रोकने के लिए ठोस उपाय नहीं किए गए है। इसी प्रकार से जंगल से सटे रामपुर, कुंभीचौड़, ग्रास्टनगंज, झंडीचौड़, ध्रुवपुर सहित कई वार्डों में यही स्थिति बनी हुई है। यही नहीं बदरों को भगाने पर उल्टा काटने को दौड़ रहे है। बंदरों के काटने से कई लोग घायल हो रहे है। क्षेत्रवासियों ने नगर निगम से भी बंदरों को पकड़ने के लिए अभियान चलाने की मांग की है।

पूर्व सैनिक ने लगाएं अवैध कनेक्शन जोड़ने के आरोप, जांच के आदेश

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड पाबौ के अंतर्गत चिपलगाट क्षेत्र में पेयजल कनेक्शन के लिए पूर्व सैनिक ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर मुख्य पेयजल लाइन से अवैध कनेक्शन जोड़ने के आरोप लगाए हैं। पूर्व सैनिक ने इस मामले में जिलाधिकारी, संबंधित विभाग और संयुक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा है। संयुक्त मजिस्ट्रेट ने शिकायत का संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि यदि जांच में अनियमितता पाई जाती हैं, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। रिवर्स पलायन के तहत अपने गांव लौटे पूर्व सैनिक गणेश प्रकाश ने क्षेत्र में पेयजल किल्लत के निस्तारण के लिए लंबा संघर्ष किया। इसके बाद जल संस्थान श्रीनगर ने चिपलगाट सीएसडी कैंटीन, 33 केवी पावर हाउस, स्थानीय मंदिर और आसपास के परिवारों के लिए एक छोटी पेयजल योजना वर्ष 2023-24 में स्वीकृत करते हुए नियमित पानी की आपूर्ति सुचारु की थी। गणेश प्रकाश का आरोप है कि बीते 27 अप्रैल को कुछ स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बिना विभागीय औपचारिकता पूरी किए ही मुख्य पेयजल लाइन से नया कनेक्शन जोड़ दिया। इससे मौजूदा आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो गई है। उन्होंने कहा कि वह पानी देने के विरोध में नहीं हैं, लेकिन मुख्य लाइन को काटकर कनेक्शन जोड़ना नियम विरुद्ध है। उनका कहना है कि यदि नए परिवारों को पानी देना है तो इसके लिए मुख्य टैंक से अलग व्यवस्था की जानी चाहिए।

सैन्य सम्मान के साथ दी जवान को अंतिम विदाई

श्रीनगर गढ़वाल : बीएसएफ के जवान को यहां आईटीआई घाट पर सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। पौड़ी जिले के पट्टी पैडलस्यूं के कमेड़ा गांव निवासी हेमंत (57) बीएसएफ में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत थे। वर्तमान में वह गुजरात के भुज में तैनात थे और पिता के देहांत होने के कारण छुट्टी पर घर आए हुए थे। शुक्रवार को उनके पिता की तेहरवीं भी थी। इसी दौरान अचानक हेमंत की तबियत बिगड़ गई। आनन-फानन में तत्काल परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, लेकिन उन्होंने दम तोड़ दिया। शनिवार को यहां अलकनंदा नदी में आईटीआई घाट के पास उनकी अंत्येष्टि सैन्य सम्मान के साथ की गई। एसएसबी के जवानों ने उन्हें अंतिम सलामी दी। घाट पर पहुंची बीएसएफ की टीम में शामिल इंस्पेक्टर पीके शर्मा ने बताया कि हेमंत बीएसएफ की 193 बटालियन में कांस्टेबल थे। वर्तमान में उनकी तैनाती भुज में थी और वह छुट्टी पर घर आए हुए थे। उनके बेटे अंकित ने बताया कि इस घटना से पूरा क्षेत्र आहत है। क्षेत्र में शोक की लहर है। (एजेंसी)

अविरल नंदा रन में मीना ने मारी बाजी

श्रीनगर गढ़वाल : मुंदोली राइडर्स क्लब, देवाल (चमोली) की ओर से एक मई को लोहजंग में आयोजित अविरल नंदा रन में श्रीनगर की धावक मीना कंडारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 21 किमी. दौड़ में अपने आयु वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी की लहर है और एक बार फिर श्रीनगर का नाम रोशन हुआ है। गौरतलब है कि मीना कंडारी का यह लगातार दूसरा बड़ा प्रदर्शन है। इससे पूर्व उन्होंने पिछले सप्ताह आयोजित सूर्यदेवभूमि चैलेंज 113 किमी में द्वितीय स्थान हासिल किया था। उनके निरंतर बेहतर प्रदर्शन को लेकर खेल प्रेमियों और स्थानीय लोगों ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी है। (एजेंसी)

बिजल्वाण जिलाध्यक्ष तो भंडारी बनें जिला सचिव

श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखंड मेडिकल लैब टेक्नीशियन एसोसिएशन की कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन किया गया। पौड़ी की कार्यकारिणी में दीपक बिजल्वाण को जिला अध्यक्ष, प्रदीप रावत को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, शिव दयाल भंडारी को जिला सचिव, शशि भूषण मैठाणी को जिला कोषाध्यक्ष, कल्पेश्वर भरतवाल को प्रवक्ता, सारथी जखमोला को संगठन मंत्री व भरत रावत को संप्रेक्षक चुना गया, जबकि वीरेंद्र सिंह नेगी को संरक्षक बनाया गया। कुसुम रावत, अनुपाल व नवीन कठैत को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। नव निर्वाचित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को संगठन के प्रांतीय वरिष्ठ सलाहकार राकेश रावत ने शपथ दिलाई। इस मोकके पर प्रांतीय महासचिव महावीर सिंह चौहान ने कहा कि नवनिर्वाचित कार्यकारिणी लैब टेक्नीशियन संवर्ग के हितों के लिए संघर्ष करेगी और उच्च न्यायालय के ग्रेड पे 4200 रुपए संबंधी आदेश का अनुपालन करवाने में अग्रणी भूमिका निभाएगी। मौके पर संगठन को मजबूत करने और जनपद स्तर पर वेतन विसंगति दूर करने के लिए आंदोलन की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा और समर्पण का संकल्प लिया। (एजेंसी)

फुट ओवर ब्रिज बनाने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : नगर क्षेत्र में उफल्ड से स्वीत पुत तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर फुट ओवर ब्रिज बनाए जाने की मांग उठी है। इस संदर्भ में सामाजिक कार्यकर्ता नरीलाल निर्वेद ने एनएच लोनिवि की सहायक अभियंता को ज्ञापन सौंपा है।

पुलिस पर लगाया उत्पीड़न का आरोप, युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

सतपुली के निकट रेपुर भिताड़ा पुल में रस्सी डालकर लगाई फांसी आत्महत्या करने से पूर्व सतपुली पुलिस पर लगाए उत्पीड़न के आरोप

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सतपुली ग्राम रेतपुर निवासी एक युवक ने रतेपुर भिताड़ा पुल में रस्सी से लटककर आत्महत्या कर दी। युवक ने आत्महत्या करने से पूर्व सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी डाला। जिसमें उसने सतपुली पुलिस पर उत्पीड़न का आरोप लगाया। कहा कि पुलिस ने उसकी मोटर साइकिल को सीज कर दिया। फांसी लगाने के दौरान युवक ने हेलमेट पहना हुआ था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार को जांच सौंपी है। साथ ही थानाध्यक्ष को लाइन हाजिर कर दिया है। शनिवार सुबह लोगों को पुल पर रस्सी से लटकता हुआ शव

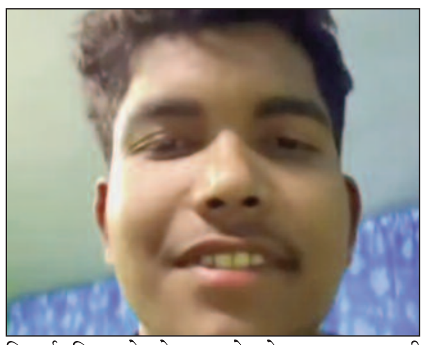

दिखाई दिया। हेलमेट पहनने के कारण शव की पहचान नहीं हो पा रही थी। जिसके बाद लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने रेस्क्यू अभियान चलाकर शव को नीचे उतारा। हेलमेट हटाने पर शव की पहचान ग्राम रेतपुर निवासी पंकज कुमार (20 वर्ष) पुत्र स्व. प्रकाश चंद के रूप में हुई। युवक ने फांसी लगाने से पूर्व सोशल मीडिया पर एक वीडिया भी डाला। जिसमें उसने सतपुली पुलिस पर उसकी मोटर साइकिल सीज करने व उत्पीड़न का आरोप लगाया। युवक की मौत व वीडियो वायरल होने के बाद एसएसपी सर्वेश पंवार ने मामले की जांच अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार को सौंपी है। एसएसपी ने कहा कि घटना स्थल की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी की गई है। चिकित्सकों के विशेष पैनल से पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। कहा कि मामले में कोई भी दोषी हो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं, सतपुली थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि उक्त युवक शराब के नशे में मोटर साइकिल चला रहा था। उसने एक व्यक्ति को भी टक्कर मारी। जिसके बाद उसकी मोटर साइकिल को सीज कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि पंकज गुजरात में प्राइवेट नौकरी करता था। 25-26 अप्रैल को उसकी बड़ी बहन की शादी थी। जिसके लिए वह घर आया हुआ था। पंकज के पिता प्रकाश चंद्र की कोरोनाकाल के समय मृत्यु हो गई थी। जिसके बाद पंकज के कांधों पर ही पूरे परिवार की जिम्मेदारी थी। पंकज की एक नौ वर्ष की छोटी बहन है।

जिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता में आरसीडी बना चैंपियन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिला बास्केटबॉल संघ पौड़ी के तत्वावधान में आरसीडी पब्लिक स्कूल, कोटद्वार में आयोजित जिला स्तरीय अंडर-18 बालक एवं बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जनपद के 12 विद्यालयों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान बास्केटबॉल में आरसीडी चैंपियन रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुमन कोटनाला उपस्थित रहे। जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबले में टीसीजी पब्लिक स्कूल ने शानदार खेल दिखाते हुए कॉन्वेंट स्कूल को 12-8 से हराकर खिताब अपने नाम किया। विजेता एवं उपविजेता टीमों को प्रधानाचार्य सीमा ढौंडियाल द्वारा मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें आरसीडी पब्लिक स्कूल ने श्रीनगर टीम को 27-24 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। विजेता टीम को मुख्य अतिथि सुमन कोटनाला द्वारा ट्रॉफी एवं मेडल प्रदान किए गए। जबकि, उपविजेता श्रीनगर टीम को विद्यालय के संस्थापक सुरेश चंद्र ढौंडियाल ने सम्मानित किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का पुरस्कार बालक वर्ग में श्रीनगर के अनिरुद्ध को विद्यालय के डायरेक्टर कनिष्क ढौंडियाल द्वारा प्रदान किया गया। वहीं बालिका वर्ग में यह सम्मान कॉन्वेंट स्कूल की श्रुति भंडारी को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल कोच सुनील रावत ने सम्मानित किया। इस मौके पर आयोजक एवं जिला बास्केटबॉल संघ के सचिव विष्णु प्रसाद चमोली, निर्णायक आर्यन ध्यानी, शारीरिक शिक्षक सतीश मौर्या, हृतिक नेगी, मोहम्मद आसिफ, सिद्धार्थ रावत आदि मौजूद रहे।

शिक्षकों ने किया टीईटी अनिवार्यता के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन शुरू

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद के राजकीय जूनियर हाईस्कूलों में तैनात शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अपनी विभिन्न मांगों के लिए चरणबद्ध आंदोलन का शुरू कर दिया है। पांच चरणों में प्रस्तावित इस आंदोलन के पहले चरण में शिक्षक काला फीता बांधकर शिक्षण कार्य कर रहे हैं।

यह चरण 10 मई तक जारी रहेगा। आंदोलन के अगले चरणों में 12 मई से ब्लॉक स्तर पर धरना, 18 मई को जिला मुख्यालयों पर हुंकार रैली, 29 मई को निदेशालय में एक दिवसीय धरना और आठ जून को देहरादून में गर्जना रैली आयोजित की जाएगी।

शिक्षक लंबे समय से 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता से मुक्त रखने समेत 13 सूत्री मांगों के समाधान की मांग कर रहे हैं। इस संबंध में शनिवार को जिलेभर के स्कूलों में शिक्षकों ने काला फीता बांधकर विरोध दर्ज कराया।

राजकीय जूनियर हाईस्कूल (पूमा) शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष भगत सिंह भंडारी और जिला महामंत्री भोपाल सिंह रावत ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत प्रारंभिक शिक्षा में कार्यरत शिक्षकों के लिए सेवा में बने रहने और पदोन्नति के लिए टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य किया गया है। इस आदेश के अनुपालन के लिए दो वर्ष की समय सीमा निर्धारित है, जिससे प्रदेश के लगभग 15 हजार शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं। कहा कि 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों के लिए विभागीय परीक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए।

शिविर में 200 से अधिक मरीजों की जांच की

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : स्व. राधा देवी वेलफेयर ट्रस्ट ने शनिवार को राठ महाविद्यालय पैठाणी में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इस दौरान रक्तचाप और रक्त शुगर की भी जांच की गई। जांच के बाद मरीजों को निःशुल्क दवाएं भी प्रदान की गईं। ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय रावत ने बताया कि शिविर में महिला रोग, बाल रोग और हड्डी रोग विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल रहे। विशेषज्ञों की टीम ने आधुनिक मशीनों से मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की। इस शिविर में 200 से अधिक मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई और उन्हें निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं। इस मौके पर डॉ. समब्यूल ताज, डॉ. एसपी गुप्ता, डॉ. मुदित कुमार सिंह, डॉ. राजकुमार नेगी, डॉ. सलीम, डॉ. नदीम, डॉ. रजनीश, डॉ. दर्शना बानों आदि मौजूद रहे।

टैलेंट हंट में बच्चों ने दिखाया अपना हुनर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डीएवी पब्लिक स्कूल में टैलेंट हंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने नृत्य, संगीत, गायन व कविता पाठ के माध्यम से अपने हुनर का प्रदर्शन किया। जिसमें लोक गीतों पर आधारित रंगारंग कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य नितिन भाटिया ने किया। सर्वप्रथम विद्यालय के छात्रों ने विभिन्न प्रकार के लोकगीतों पर शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी। तत्पश्चात गायन, कविता पाठ, अभिनय व योग जैसी विभिन्न प्रकार की विधाओं का प्रदर्शन कर अपने अंदर छिपी कला का परिचय दिया।

विद्यालय की छात्र-छात्राओं ने लोकगीतों पर शानदार नृत्य की प्रस्तुति देकर अभिभावकों का मन मोह लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें अपनी प्रतिभा को पहचानने का अवसर मिलता है। इस मौके पर पीयूष प्रसाद, सृजल बिष्ट, तान्या रावत, रंजना सहित समस्त शिक्षक व कर्मचारी मौजूद रही।

एपीएस के विद्यार्थियों ने किया ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन के विद्यार्थियों ने ओलंपियाड 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता में कुल 115 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी, हिंदी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान एवं सामान्य ज्ञान विषयों में भाग लिया।

कक्षा 7 के विकल्प अग्रवाल ने सामान्य ज्ञान विषय में उत्तराखंड में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि कक्षा 1 की मायरा पटेल ने हिंदी विषय में राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक जीता, जो विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। कक्षा 7 की अपर्णा अग्रवाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 3 स्वर्ण, 1 रजत एवं 1 कांस्य पदक जीता। अंग्रेजी विषय में 13 विद्यार्थियों ने भाग लेकर 5 स्वर्ण, 3 रजत एवं 1 कांस्य पदक जीता। हिंदी विषय में 4 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें 1 स्वर्ण, 1 रजत एवं 1 कांस्य पदक हासिल किया। गणित विषय में 43 विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए 5 स्वर्ण, 2 रजत एवं 2 कांस्य पदक जीते, जबकि विज्ञान विषय में 30 विद्यार्थियों ने भाग लेकर 4 स्वर्ण, 5 रजत एवं 3 कांस्य पदक प्राप्त किए। सामान्य ज्ञान में 8 विद्यार्थियों ने भाग लिया,

जिसमें 2 स्वर्ण एवं 1 रजत पदक जीता। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुंद्रियाल ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनके परिश्रम और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। हमें गर्व है कि हमारे छात्र राज्य स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

अपात्र राशन कार्ड धारकों के कार्ड होगें निरस्त

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : खाद्य पूर्ति विभाग ने उत्तराखंड व यूपी में राशन कार्डों से सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वालों का सत्यापन करना शुरू कर दिया है। विभाग ने कार्ड धारकों से निर्धारित मानकों के अनुरूप पात्र नहीं होने पर राशन कार्ड जमा करने की अपील की है। विभाग के अनुसार दोनों प्रदेशों से राशन कार्ड का लाभ लेने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

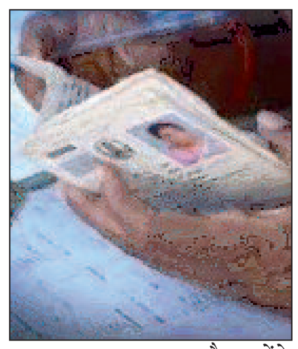

डीएसओ अरुण कुमार वर्मा ने बताया कि अभियान के अंतर्गत अपात्र राशन कार्ड धारकों के राशन कार्ड निरस्त किए जाएंगे। अभियान के दौरान अपात्र पाए जाने वाले उपभोक्ताओं पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत वसूली भी की जाएगी। बताया कि सत्यापन अभियान शासन के निर्देशों के अनुसार चलाया जा रहा है। उन्होंने कार्डधारक को निर्धारित मानकों के अनुरूप पात्र नहीं होने पर स्वयं अपना राशनकार्ड जमा करने को कहा है। कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों के उपभोक्ता क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी/पूर्ति निरीक्षक कार्यालय, ब्लॉक कार्यालय या ग्राम पंचायत विकास अधिकारी कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

राजकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय में छात्र—छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

विविध प्रतियोगिताओं का हुआ भव्य आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार , राजकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में छात्र संघ सप्ताह के अंतर्गत शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का शानदार आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी. एस. नेगी के संरक्षण एवं छात्र संघ प्रभारी सुशील चंद्र बहुगुणा के निर्देशन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के अंतर्गत "साइबर अपराध एवं इसके दुष्परिणाम" विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में छात्र—छात्राओं ने समसामयिक मुद्दों पर निबंध प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में दीक्षा बलोदी ने प्रथम, अक्षी ने द्वितीय तथा आयुश्री तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता की संयोजक डॉ. रंजना सिंह रहीं, जबकि निर्णायक मंडल में डॉ. प्रियम अग्रवाल, डॉ. अमित गौड़ एवं डॉ. विजय लक्ष्मी शामिल रहे।

रंगोली प्रतियोगिता में रचनात्मकता और सौंदर्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। उन्नति रावत ने प्रथम, स्वाति ने द्वितीय तथा नंदिनी गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता की संयोजक डॉ. नीता भट्ट रहीं तथा निर्णायक मंडल में डॉ. सुरभि मिश्रा, डॉ. मीनाक्षी वर्मा एवं ममता रावत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सांस्कृतिक रैंप वॉक रहा, जिसमें उत्तराखंड की पारंपरिक वेशभूषा के माध्यम से स्थानीय संस्कृति की मनमोहक झलक प्रस्तुत की गई। प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास के साथ कैटवॉक करते हुए परिधानों में संस्कृति को जीवंत कर दिया। महिला वर्ग में दीक्षा धस्माना ने प्रथम, आक्षी ने द्वितीय तथा मुस्कान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

वहीं पुरुष वर्ग में हितेश ने प्रथम तथा सौरभ रावत ने द्वितीय स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. जूनीश कुमार रहे। निर्णायक मंडल में डॉ. चंद्र प्रभा भारती, डॉ. वर्षा सिंह, डॉ. एश्वर्या राणा एवं डॉ. हीरा सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शास्ता प्रो. बी. सी. शाह, छात्र संघ सह—प्रभारी डॉ. संदीप कुमार, डॉ. डी. बी. सिंह, डॉ. श्रद्धा सिंह, श्री शेखर मैठाणी, डॉ. संदीप किमोठी, अरविन्द दुदपुड़ी, श्री उमेश कुगशाल सहित छात्र संघ अध्यक्ष विकास कुमार, निष्ठा, स्वाति, शुभम सुयाल, खुशबू, आक्षी, स्वाति गैरोला देवाशीष एवं अंकुश घिल्डियाल समेत अनेक छात्र—छात्राएं उपस्थित रहे।

कॉमर्शियल सिलिंडर के दाम बढ़ाने का किया विरोध

श्रीनगर गढ़वाल :एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के वरिष्ठ कार्यकर्ता डा. मुकेश सेमवाल ने एलपीजी की कीमतों में भारी वृद्धि पर विरोध जताया है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राईविंग लाईसेंस संख्या UK-1520110013850 में मेरा नाम नवीन कुमार नेगी दर्ज हो गया है, जो कि गलत है, जबकि मेरा सही व वास्तविक नाम नवीन सिंह नेगी है, जो कि मेरे आधार कार्ड में दर्ज है। मैं उक्त ड्राईविंग लाईसेंस में अपना सही व वास्तविक नाम नवीन सिंह नेगी दर्ज कराना चाहता हूं। अतः मेरे उक्त ड्राईविंग लाईसेंस संख्या UK-1520110013850 में मेरा सही व वास्तविक नाम नवीन सिंह नेगी दर्ज किया जाय।

नवीन सिंह नेगी पुत्र बीरेन्द्र सिंह नेगी निवासी रतनपुर, पट्ट्ट सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0510/21)

नशे से दूर रहकर बेहतर भविष्य पर ध्यान दें विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विद्यार्थियों व युवाओं को जागरूक करने के लिए पुलिस की ओर से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत पुलिस की ओर से हैप्पी होम स्कूल में कानून की पाठशाला आयोजित की गई। जिसमें विद्यार्थियों को नशा, साइबर अपराध, सड़क सुरक्षा सहित अन्य नियमों की जानकारी दी गई।

विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यशाला में पुलिस क्षेत्राधिकारी निहारिका सेमवाल ने विद्यार्थियों को जानकारी दी। कहा कि लगातार बढ़ते साइबर अपराध के प्रति समाज का जागरूक होना अति आवश्यक है। किसी भी अंजान व्यक्ति को अपने बैंक खाते से संबंधित जानकारी न दें। किसी भी अंजान ऐप को अपनी निजी जानकारी शेयर न करें। किसी भी तरह की साइबर ठगी होने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करें। कार्यशाला में बच्चों को यातायात

कोटद्वार के हैप्पी होम स्कूल में आयोजित कार्यशाल में भाग लेते विद्यार्थी

नियमों की भी जानकारी दी गई। कहा कि लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण नियमों की अनदेखी ही है। इसलिए बिना हेलमेट लगाए दोपहिया वाहन न चलाएं। कार्यशाला में नशे से दुष्परिणाम भी बताए गए। कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। हम सभी को एक खिलाफ एकजुट होकर अभियान चलाया होगा। साइबर सेल प्रभारी कमलेश शर्मा ने कहा कि समाज को जागरूक करने के लिए बच्चों को भी आगे आना चाहिए। हमारी जिम्मेदारी है कि कार्यशाला में मिली जानकारी को हम अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं।

कार्यालय- नगर पंचायत थलीसैंण पौड़ी गढ़वाल

ई-मेल-conpthalisain@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

नगर पंचायत थलीसैंण द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निकाय द्वारा गठित टीम द्वारा किये गये सर्वेक्षण के आधार पर निकाय क्षेत्रान्तर्गत समस्त 04 वार्डों को खुले में शौच मुक्त प्लस (ODF) घोषित किया जाता है, इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है, तो यह नगर निकाय के कार्यालय में 07 दिवसों के भीतर आपत्ति दर्ज करा सकता है, निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

श्री दीपक प्रताप
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत थलीसैंण
पौड़ी गढ़वाल।

श्रीमती वीरा देवी
अध्यक्ष
नगर पंचायत थलीसैंण
पौड़ी गढ़वाल।

धर्म शासित ईरान की सामरिक-आक्रामक तैयारी व बढ़ती सैन्य क्षमता गैर इस्लामिक देशों के लिए नसीहत है, कैसे?

कमलेश पांडेय

मिसाइल, ड्रोन और प्रॉक्सी का संयुक्त मॉडल ही ईरानी सफलता का सूत्र है, क्योंकि ईरान ने केवल अपनी सेना पर निर्भर रहने के बजाय क्षेत्रीय नेटवर्क तैयार किया–हिजबुल्लाह, हूती और अन्य सहयोगी समूहों के माध्यम से उसने बहु-स्तरीय दबाव बनाया। यह “Hybrid Warfare” का आधुनिक मॉडल है।

भारत के निकटम पड़ोसी देश ईरान की सामरिक और आक्रामक तैयारी पूरी भारत-इजरायल समेत पूरी दुनिया के लिए नसीहत बन गई है, क्योंकि उसने सीमित संसाधनों और भारी पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद 'असममित युद्ध' (Asymmetric Warfare) की ऐसी क्षमता विकसित कर ली, जिसने अमेरिका, इजराइल और पश्चिमी सैन्य गठबंधनों को भी नई रणनीति बनाने और उससे आगे की सोचने पर मजबूर कर दिया है। यदि समय रहते इसकी काट विकसित नहीं की गई, तो अरब देशों पर अमेरिका के बाद चीन की पकड़ मजबूत होगी, क्योंकि उसके साथ ईरान का सहयोगी रूस भी खड़ा है।

वहीं, इस्लामिक मुल्क के नाम पर मुस्लिम देशों का अंदरूनी झुकाव भी उसकी ओर है, जिससे रूसी मित्रता और चीनी छल की चक्की में भारत के पिसने के आसार प्रबल हैं। अनुभव बताता है कि ईरान अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान और अफगानिस्तान पर ज्यादा भरोसा करता है और इस्लामिक नाटो का पक्षधर भी है, इसलिए ईरान के मामले में भारत की जरा सी रणनीतिक लापरवाही उसे चीनी चक्रब्यूह में घिरे अभिमन्यु वाली कर देगी, क्योंकि भारत की हिन्दू विरोधी मुस्लिम राजनीति के आर्थिक स्त्रोत भी इस्लामिक मुल्कों से ही जुड़े बताए जाते हैं।

पहले ईरान से भारत-इजरायल समेत शेष दुनिया को मिलने वाली प्रमुख सामरिक सीखें निम्नलिखित हैं–

पहला, आत्मनिर्भर सैन्य उत्पादन सबसे बड़ी ताकत है क्योंकि ईरान ने दशकों के प्रतिबंधों के बावजूद अपने मिसाइल, ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तंत्र को घरेलू स्तर पर विकसित किया। आज उसके पास मध्य-पूर्व का सबसे बड़ा बैलिस्टिक मिसाइल भंडार माना जाता है। चूंकि वहां के लोग ज्यादा पढ़े लिखे होते हैं और ईरान ने लोकतंत्र की बजाय समानांतर कट्टर धार्मिक तंत्र विकसित कर लिया, जिससे भारत को अवश्य सीखने की जरूरत है। क्योंकि ईरान की इस नीति का संदेश स्पष्ट है- 'जो देश रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर होगा, वही लंबे संघर्ष में टिकेगा।'

दूसरा, ड्रोन युद्ध ने युद्ध की परिभाषा ही बदल दी है, क्योंकि ईरान ने कम लागत वाले ड्रोन को 'रणनीतिक हथियार' बना दिया। उसने दिखाया कि हजारों करोड़ की एयर डिफेंस प्रणाली को सस्ते ड्रोन झुंड (swarm) से भी चुनौती दी जा सकती है। इसलिए आज अमेरिका तक स्वीकार कर रहा है कि महंगे इंटरसेप्टर मिसाइलों के मुकाबले सस्ते ड्रोन “Cost Imbalance” पैदा कर रहे हैं।

तीसरा, युद्ध केवल हथियार नहीं, 'धैर्य' से जीता जाता है, यही बात ईरान ने दुनिया को सिखलाया है। जिस तरह से उसने अमेरिका-इजरायल के यौद्धिक गुरूर को तोड़ा है, वह शोध का विषय है, क्योंकि रूस-चीन के नैतिक मदद से उसने यह सफलता हासिल की है। ईरान ने प्रत्यक्ष युद्ध से अधिक 'लंबी थकाऊ लड़ाई' (War of Attrition) की रणनीति अपनाई। उसका उद्देश्य तत्काल जीत नहीं, बल्कि विरोधी की आर्थिक, सैन्य और मनोवैज्ञानिक क्षमता को थकाना रहा। यह आधुनिक युद्ध की नई वास्तविकता है–

'हर युद्ध Blitzkrieg नहीं होता; कई युद्ध विरोधी को थकाकर जीते जाते हैं।'

चौथा, कमांड सिस्टम का बैकअप अत्यंत जरूरी होता है, ताकि भारी हमलों और शीर्ष कमांडरों के मारे जाने के बावजूद ईरान का सैन्य कमांड ढांचा पूरी तरह ध्वस्त नहीं हुआ। उसने पहले से वैकल्पिक नेतृत्व और विकेंद्रीकृत कमांड संरचना तैयार कर रखी थी। यह हर राष्ट्र के लिए बड़ा संदेश है कि–'युद्ध में नेतृत्व का विकल्प पहले से तैयार होना चाहिए।'

पांचवां, मिसाइल, ड्रोन और प्रॉक्सी का संयुक्त मॉडल ही ईरानी सफलता का सूत्र है, क्योंकि ईरान ने केवल अपनी सेना पर निर्भर रहने के बजाय क्षेत्रीय नेटवर्क तैयार किया–हिजबुल्लाह, हूती और अन्य सहयोगी समूहों के माध्यम से उसने बहु-स्तरीय दबाव बनाया। यह “Hybrid Warfare” का आधुनिक मॉडल है।

छठा, समुद्री मार्गों पर नियंत्रण की शक्ति विकसित करके आक्रमणकारियों को तोड़ना ईरानी दूरदर्शिता का ही तकाजा है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का प्रभाव पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित करता है। इसी कारण अमेरिका और पश्चिम लगातार उस क्षेत्र में सैन्य उपस्थिति बढ़ाते रहे हैं। इससे यह सिद्ध होता है–'भूगोल भी उतना ही बड़ा हथियार है जितना मिसाइल।'

सातवां, तकनीकी युद्ध में सस्ता हथियार भी निर्णायक होता है, यह ईरान ने साबित कर दिया है। ईरान ने दिखाया कि हर युद्ध अत्याधुनिक स्टील्थ फाइटर से नहीं जीता जाता। कभी-कभी सस्ती, तेज और बड़ी संख्या में उपलब्ध तकनीक अधिक प्रभावी होती है।

निष्कर्षतः ईरान की तैयारी गैर इस्लामिक दुनिया को यह सिखाती है कि आधुनिक युद्ध केवल परमाणु बम या महंगे लड़ाकू विमानों से नहीं लड़े जाते। आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन, ड्रोन तकनीक, मिसाइल क्षमता, साइबर-रणनीति, वैकल्पिक नेतृत्व और मनोवैज्ञानिक युद्ध–ये सब मिलकर किसी राष्ट्र को सामरिक शक्ति बनाते हैं। इसीलिए आज अमेरिका, इजराइल, रूस, चीन और भारत समेत दुनिया की बड़ी सैन्य शक्तियां भी 'ईरानी मॉडल' का गंभीर अध्ययन कर रही हैं।

एक बात और, ईरान के सामरिक मॉडल से भारत के लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि केवल पारंपरिक सैन्य शक्ति पर्याप्त नहीं होती; दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए 'बहुस्तरीय राष्ट्रीय प्रतिरोध क्षमता' विकसित करनी पड़ती है। विशेषकर तब, जब भारत को दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद, कट्टरपंथ और चीन-पाकिस्तान जैसे सामरिक गठबंधनों का सामना करना पड़ रहा हो।

हालांकि यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि 'इस्लामिक देश' एक समान इकाई नहीं हैं। भारत के कई इस्लामी देशों–जैसे संयुक्त अरब अमीरात (UAE), सऊदी अरब, इंडोनेशिया और कतर–से मजबूत रणनीतिक और आर्थिक संबंध हैं। भारत की मुख्य सुरक्षा चुनौती कुछ कट्टरपंथी नेटवर्क, आतंकवादी संरचनाओं और शत्रुतापूर्ण राज्य-नीतियों से रही है, न कि सम्पूर्ण इस्लामी विश्व से।

भारत के लिए प्रमुख सबक इस प्रकार हैं–

पहला, आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन ही निर्णायक सुरक्षाः ईरान ने प्रतिबंधों के बावजूद अपने ड्रोन, मिसाइल और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तंत्र विकसित किए। भारत के लिए इसका अर्थ है कि विदेशी हथियारों पर अत्यधिक निर्भरता घटानी होगी। 'आत्मनिर्भर भारत' को केवल नारा नहीं, बल्कि युद्धकालीन औद्योगिक क्षमता बनाना होगा।

दूसरा, सस्ते ड्रोन बनाम महंगी सुरक्षाः ईरान ने दिखाया कि कम लागत वाले ड्रोन भी महंगी एयर डिफेंस प्रणाली को चुनौती दे सकते हैं। भारत को सीमा सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी अभियानों और समुद्री निगरानी के लिए बड़े पैमाने पर स्वदेशी ड्रोन नेटवर्क बनाना होगा।

तीसरा, 'मोजेक डिफेंस' मॉडलः ईरान की विकेंद्रीकृत सैन्य संरचना–जहां शीर्ष नेतृत्व पर हमला होने के बाद भी स्थानीय इकाइयाँ लड़ती रहती हैं–भारत के लिए महत्वपूर्ण संकेत है। भारत को भी साइबर, सीमा, वायु और समुद्री मोर्चों पर ऐसी बहुस्तरीय कमांड संरचना विकसित करनी होगी जो अचानक हमले में भी सक्रिय रहे।

चौथा, केवल सीमा नहीं, 'मनोवैज्ञानिक युद्ध' भीः आधुनिक संघर्ष अब केवल बंदूक और मिसाइल का नहीं, बल्कि सूचना और नैरेटिव का भी है। भारत को फेक न्यूज, साइबर-प्रोपेगेंडा और धार्मिक कट्टरता आधारित डिजिटल अभियानों से निपटने के लिए राष्ट्रीय सूचना सुरक्षा ढांचा मजबूत करना होगा।

पांचवां, लंबी लड़ाई की तैयारीः ईरान ने दिखाया कि “War of Attrition” यानी विरोधी को धीरे-धीरे थकाना भी रणनीति हो सकती है। भारत को सीमित अवधि के युद्ध की सोच से आगे जाकर लंबे संघर्ष, आपूर्ति श्रृंखला और गोला-बारूद भंडारण की तैयारी करनी होगी।

छठा, ऊर्जा सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा हैः यदि पश्चिम एशिया में बड़ा युद्ध होता है, तो भारत की तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इसलिए सामरिक तेल भंडार, वैकल्पिक ऊर्जा और समुद्री मार्ग सुरक्षा भारत के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

सातवां, 'संयुक्त युद्ध' की तैयारीः आज युद्ध भूमि, समुद्र और आकाश तक सीमित नहीं है; साइबर, स्पेस और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र भी युद्धक्षेत्र बन चुके हैं। भारत को थिएटर कमांड, AI आधारित निगरानी और संयुक्त सैन्य संचालन को तेज करना होगा।

आठवां, राष्ट्रीय एकता सबसे बड़ी सुरक्षाः ईरान के उदाहरण से यह भी स्पष्ट हुआ कि बाहरी दबाव के समय आंतरिक सामाजिक एकता निर्णायक होती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण राष्ट्र में सांप्रदायिक विभाजन, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सामाजिक अविश्वास राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर कर सकते हैं।

निष्कर्षतया यह कहा जा सकता है कि भारत के लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि भविष्य का युद्ध केवल सेना नहीं, बल्कि पूरा राष्ट्र लड़ता है–तकनीक, अर्थव्यवस्था, साइबर क्षमता, ऊर्जा सुरक्षा, सामाजिक एकता और मनोवैज्ञानिक दृढ़ता–सब मिलकर राष्ट्रीय शक्ति बनाते हैं। ईरान ने दुनिया को यह दिखाया कि सीमित संसाधनों वाला राष्ट्र भी यदि आत्मनिर्भर, संगठित और रणनीतिक रूप से धैर्यवान हो, तो वह कहीं बड़ी शक्तियों को भी लंबे समय तक चुनौती दे सकता है।

अधिकारों का सार्थक ढंग

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि भारत में समस्या अधिकारों का अभाव नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि अधिकारों का सार्थक ढंग से उपभोग किया जा सके। भारत की जमीनी हकीकत से परिचित लोग सहज ही इस राय से इस्तेफ़ाक रखेंगे। अधिकारों पर जारी बहस के बीच प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत ने यह महत्त्वपूर्ण टिप्पणी की है कि 'जिस अधिकार का व्यवहार में उपभोग ना किया जा सके, वह कागजी वायदे के ज्यादा कुछ नहीं है।इ उन्होंने कहा कि भारत में समस्या अधिकारों का अभाव नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि अधिकारों का सार्थक ढंग से उपयोग किया जा सके। भारत की जमीनी हकीकत से परिचित लोग सहज ही प्रधान न्यायाधीश की इस राय से इस्तेफ़ाक रखेंगे। बेशक, अपने देश में नागरिकों के लिए संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों की लंबी सूची है।

मगर ये कड़वी हकीकत है कि अधिकांश नागरिकों के लिए वे अधिकार ज्यादा मायने नहीं रखते।मसलन, जिन नागरिकों को उपयुक्त शिक्षा–दीक्षा और ऐसी परिस्थितियां प्राप्त नहीं हुईं, जिनसे वे राजकाज एवं सार्वजनिक मुद्दों पर कुछ कहने योग्य विचार विकसित कर पाएं, उनके लिए अभिव्यक्ति की आजादी महज ऐसा गहना है, जिसे वे कभी पहन नहीं पाते। फिर आसपास भयमुक्त वातावरण ना हो, तो उनके इस अधिकार के लिए खतरा सिर्फ सरकार के फरमानों से नहीं, बल्कि स्थानीय सामाजिक– आर्थिक ढांचे से भी पैदा होता है। जस्टिस कांत ने भी कहा कि भौगोलिक स्थितियों, इन्फ्रास्ट्रक्चर संबंधी कमियों और आर्थिक बाधाओं के कारण बड़ी संख्या में लोग अदालत और उन संस्थाओं के पास नहीं पहुंच पाते, जिनका मकसद उनके अधिकारों की रक्षा है।सार यह कि अधिकारों का विमर्श तभी अपनी मंजिल तक पहुंचेगा, जब अधिकारों के उपभोग की परिस्थितियों को चर्चा में शामिल किया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं होता, क्योंकि अधिकारों के हनन की सारी बहस सभ्रांत वर्ग के दायरे में सिमटी रहती है। संभवतः यही कारण है कि नागिरक अधिकारों पर हमले और संविधान बचाओ जैसी बातें आम जन मानस को नहीं छू पातीं। जो तबके ऐसे अधिकारों से वंचित हैं, उनमें वोट की ताकत उन हकों की रक्षा करने का जज्बा गायब रहता है। उलटे नकदी ट्रांसफर की योजनाएं उन्हें लुभा लेती हैं, क्योंकि उनसे भले ही सीमित, लेकिन वास्तविक फायदा उन्हें मिलता है। अतः जस्टिस कांत की टिप्पणियों को उनकी सही भावना में देखा जाना चाहिए। ऐसा करना अधिकारों को उनके असल संदर्भ में देखना होगा।

चिंतन-मनन

राजा की उदारता

राजा भोज के नगर में एक विद्वान ब्राह्मण रहते थे। एक दिन गरीबी से परेशान होकर उन्होंने राजभवन में चोरी करने का निश्चय किया। रात में वे वहां पहुंचे। सभी लोग सो रहे थे। सिपाहियों की नजरों से बचते हुए वह राजा के कक्ष तक पहुंच गए। स्वर्ण, रत्न, बहुमूल्य पात्र इधर-उधर पड़े थे। किंतु वे जो भी वस्तु उठाने का विचार करते, उनका शास्त्र ज्ञान उन्हें रोक देता। ब्राह्मण ने जैसे ही स्वर्ण राशि उठाने का विचार किया, मन में स्थित शास्त्र ने कहा- स्वर्ण चोर नर्पगामी होता है। जो भी वे लेना चाहते, उसी की चोरी को पाप बताने वाले वाक्य उनकी स्मृति में जाग उठते। रात बीत गई पर वे चोरी नहीं कर पाए। सुबह पकड़े जाने के भय से ब्राह्मण राजा के पलंग के नीचे छिप गए। महाराज के जागने पर रानियां व दासियां उनके अभिवादन हेतु प्रस्तुत हुई। राजा भोज के मुंह से किसी श्लोक की तीन पंक्तियां निकली। फिर अचानक वे रुक गए। शायद चौथी पंक्ति उन्हें याद नहीं आ रही थी। विद्वान ब्राह्मण से रहा नहीं गया। चौथी पंक्ति उन्होंने पूर्ण की।

महाराज चौंके और ब्राह्मण को बाहर निकलने को कहा। जब ब्राह्मण से भोज ने चोरी न करने का कारण पूछा तो वे बोले- राजन्, मेरा शाह्ल ज्ञान मुझे रोकता रहा। उसी ने मेरी धर्म रक्षा की। राजा बोले- सत्य है कि ज्ञान उचित-अनुचित का बोध कराता है, जिसका धर्म संकट के क्षणों में उपयोग कर उचित राह पाई जा सकती है। राजा ने ब्राह्मण को प्रचुर धन देकर सदा के लिए उनकी निर्धनता दूर की दी।

स्वतंत्र मीडिया लोकतंत्र की सेहत का आईना

सौरभ वार्ष्णेय

प्रत्येक वर्ष 3 मई को पूरे विश्व में प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सेहत का आईना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक मीडिया किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। प्रेस की आजादी सिर्फ पत्रकारों का अधिकार नहीं, बल्कि नागरिकों के जानने के अधिकार का विस्तार है। वहीं रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा जारी 2026 विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 180 देशों में 157 वें स्थान पर है। पिछले वर्ष (2025) के 151वें स्थान की तुलना में यह छह पायदान की गिरावट है। भारत में पत्रकारों के खिलाफ हिंसा, मीडिया के केंद्रीकृत स्वामित्व और राजनीतिक दबाव के कारण यह रैंकिंग बेहद गंभीर श्रेणी में है।

आज जब दुनिया तेजी से डिजिटल होती जा रही है, सूचना का प्रवाह पहले से कहीं अधिक तेज और व्यापक हो गया है। लेकिन इसी के साथ प्रेस की स्वतंत्रता पर नए प्रकार के खतरे भी मंडरा रहे हैं। फेक न्यूज, ट्रोल संस्कृति, सत्ता का दबाव, कॉरपोरेट हितों का प्रभाव और पत्रकारों की सुरक्षा जैसे मुद्दे गंभीर चुनौती बनकर उभरे हैं। कई देशों में पत्रकारों को सच्चाई उजागर करने की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है–यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए चिंताजनक है।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यहां प्रेस न केवल सत्ता की निगरानी करता है, बल्कि समाज के हाशिए पर खड़े लोगों की आवाज भी बनता है। हालांकि, हाल के वर्षों में यह बहस तेज हुई है कि क्या मीडिया अपनी स्वतंत्रता और निष्पक्षता को बनाए रखने में पूरी तरह सफल है? गोडी मीडिया जैसे शब्दों का प्रचलन इस चिंता को दशार्ता है कि कहीं न कहीं मीडिया का एक वर्ग सत्ता के अधिक निकट जाता दिख रहा है।

प्रेस की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि वह बिना जिम्मेदारी के कार्य करे। स्वतंत्रता के साथ जवाबदेही भी जुड़ी होती है। पत्रकारिता का मूल धर्म सत्य की खोज, तथ्यों की पुष्टि और निष्पक्ष प्रस्तुति है। जब मीडिया सनसनीखेजता या पक्षपात की ओर झुकता है, तो वह अपने ही अस्तित्व को कमजोर करता है।

इस अवसर पर सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे पत्रकारों को सुरक्षित और स्वतंत्र वातावरण प्रदान करें, जहां वे बिना भय के अपना कार्य कर सकें। वहीं, मीडिया संस्थानों को भी आत्ममंथन करना होगा कि वे व्यावसायिक दबावों से ऊपर उठकर जनहित को प्राथमिकता दें। लोकतंत्र को जीवित रखना है, तो उसकी आवाज को स्वतंत्र रखना ही होगा। यह केवल एक विचार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल सिद्धांत है। लोकतंत्र किसी भवन की तरह है, जिसकी नींव जनता की भागीदारी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर टिकी होती है। यदि इस अभिव्यक्ति पर अंकुश लगाया जाए, तो लोकतंत्र का ढांचा धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। स्वतंत्र आवाज केवल मीडिया तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक के विचार, प्रश्न और असहमति को व्यक्त करने के अधिकार का प्रतीक है। जब नागरिक बिना भय के अपनी बात कह पाते हैं, तभी सरकारें जवाबदेह बनती हैं और नीतियों में पारदर्शिता आती है। इसके विपरीत, जब आवाजों को दबाया जाता है, तो सत्ता निरंकुशता की ओर बढ? लगती है।आज के समय में यह चुनौती और भी जटिल हो गई है। एक ओर डिजिटल प्लेटफॉर्म ने अभिव्यक्ति के नए अवसर दिए हैं, वहीं दूसरी ओर दुष्प्रचार, ट्रोलिंग और सेंसरशिप जैसी प्रवृत्तियां भी सामने आई हैं। ऐसे में संतुलन बनाना आवश्यक है–जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनी रहे, वहीं जिम्मेदारी और सत्यनिष्ठा भी सुनिश्चित हो।लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता; यह निरंतर संवाद, आलोचना और विचार-विमर्श की प्रक्रिया है। इसलिए जरूरी है कि हम न केवल अपनी आवाज को स्वतंत्र रखें, बल्कि दूसरों की आवाज को सुनने और सम्मान देने की संस्कृति भी विकसित करें। लोकतंत्र की मजबूती इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी आवाज कितनी स्वतंत्र, निष्पक्ष और सशक्त है। यदि यह आवाज जीवित और निर्भीक है, तो लोकतंत्र भी जीवित और सशक्त रहेगा।

प्रेस की स्वतंत्रता केवल कानूनों से नहीं, बल्कि समाज की जागरूकता और समर्थन से भी सुरक्षित रहती है। जब नागरिक सच को महत्व देंगे और निष्पक्ष पत्रकारिता का साथ देंगे, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस हमें यही संदेश देता है–अगर लोकतंत्र को जीवित रखना है, तो उसकी आवाज को स्वतंत्र रखना ही होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है। यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अर्बन हीट आइलैंड का असरः क्यों तप रहे हैं भारत के शहर

सुनील कुमार महला

भारतः100 में 95 शहर सबसे गर्म...

ग्लोबल वार्मिंग आज पूरी दुनिया के सामने एक गंभीर समस्या के रूप में उभर रही है और इसका प्रभाव भारत में बेहद स्पष्ट और चिंताजनक रूप से दिखाई दे रहा है। हाल ही में जारी रियल-टाइम वैश्विक तापमान रैंकिंग के अनुसार, दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में से 95 शहर अकेले भारत के हैं, जबकि टॉप-20 सबसे गर्म शहरों में 19 भारत के ही शामिल हैं। यह स्थिति बताती है कि देश इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अप्रैल माह में ही देश के कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है और मध्य भारत से लेकर गंगा के मैदानी क्षेत्रों तक अनेक शहरों में लू का प्रकोप देखने को मिल रहा है। कई स्थानों पर तापमान 45त्ठ के करीब दर्ज किया गया है। इस सूची में केवल बड़े महानगर ही नहीं, बल्कि छोटे कस्बे भी शामिल हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि गर्मी का प्रभाव व्यापक और गहराई तक फैल चुका है। महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित हैं, जहां के कई शहर वैश्विक सूची में प्रमुखता से दर्ज हैं। मौसम संबंधी रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा इस समय हाई हीट रिस्क जोन में है, जबकि सामान्यतः अफ्रीका और अरब देशों को दुनिया का सबसे गर्म क्षेत्र माना जाता था, लेकिन अब भारत के शहर उन्हें भी पीछे छोड़ते नजर आ रहे हैं।

वास्तव में आज के समय में भारत के शहर तेजी से अर्बन हीट आइलैंड में बदलते जा रहे हैं, जहां कंक्रीट, डामर और कांच से बनी इमारतें दिनभर गर्मी को सोखती हैं और रात में धीरे-धीरे छोड़ती हैं, जिससे तापमान कम नहीं हो पाता। मुंबई, दिल्ली, गुरुग्राम, लखनऊ, कानपुर, बेंगलुरु, कटक, जयपुर और भोपाल जैसे शहर इस प्रभाव की चपेट में तेजी से आ रहे हैं। मकानों की सीमेंट की छतें और घनी बस्तियां भी गर्मी को बढ़ाने में योगदान दे रही हैं। एक उपलब्ध आंकड़े के अनुसार, पिछले एक दशक में वार्म नाइट्स यानी गर्म रातों में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2025 में ही फरवरी के अंत तक रात के तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। वर्तमान स्थिति यह है कि देश के 266 जिले अत्यंत गंभीर गर्मी की श्रेणी में, 151 जिले गंभीर श्रेणी में और 201 जिले मध्यम श्रेणी में आ चुके हैं, जो स्थिति की भयावहता को दशार्ता है।

यदि कारणों की बात करें तो भारत में ग्लोबल वार्मिंग केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानवीय गतिविधियों का परिणाम है। इसके प्रमुख कारणों में कोयला, पेट्रोल और डीजल जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, तेजी से बढ़ता शहरीकरण और कंक्रीट का विस्तार, वनों की अंधाधुंध कटाई, बढ़ता औद्योगीकरण और प्रदूषण, परिवहन क्षेत्र का तेजी से विस्तार, विलासितापूर्ण जीवनशैली, कृषि गतिविधियों से उत्सर्जन, कचरा और प्लास्टिक प्रबंधन की समस्या तथा तेजी से बढ़ती जनसंख्या शामिल हैं। स्पष्ट है कि ये सभी कारक मिलकर तापमान वृद्धि को और तेज कर रहे हैं।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव आज पूरी दुनिया में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। इसके कारण पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे भीषण गर्मी, अनियमित वर्षा और सूखा जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं। हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं, जिसके कारण समुद्र स्तर बढ़ रहा है और तटीय क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा, जैव विविधता पर भी गंभीर असर पड़ रहा है, कई प्रजातियाँ विलुप्त होने के कगार पर हैं। मानव स्वास्थ्य, कृषि उत्पादन और जल संसाधनों पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, जिससे यह एक वैश्विक संकट बन चुका है।

अंततः, यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। इस समस्या को कम करने के लिए सौर और पवन ऊर्जा जैसे स्वच्छ स्त्रोतों को अपनाना, वृक्षारोपण को बढ़ावा देना, वनों की कटाई रोकना, निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन या साइकिल का उपयोग करना, बिजली और पानी की बचत करना, प्लास्टिक का सीमित उपयोग करना और कचरे का सही प्रबंधन करना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही, पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है। सामूहिक प्रयासों से ही इस बढ़ती हुई चुनौती का समाधान संभव है और भविष्य को सुरक्षित बनाया जा सकता है।

ईरानी फुटबॉल प्रमुख को टोरंटो में प्रवेश की नहीं मिली इजाजत, मचा सियासी बवाल

-इमिग्रेशन मंत्री बोलीं- मैं पूरी तरह जवाबदेह हैं, इस फैसले में वह सीधी भागीदार नहीं

टोरंटो (एजेंसी)। कनाडा में उस समय सियासी हलचल तेज हो गई जब ईरान के फुटबॉल संघ के अध्यक्ष मेहदी ताज को देश में प्रवेश के लिए जरूरी दस्तावेज जारी किए जाने का मामला सामने आया। ताज का नाम इस्लामिक क्रांतिकारी गार्ड कोर (आईआरजीसी) से जुड़े होने के कारण पहले ही विवादों में रहा है, और यही वजह है कि इस फैसले ने सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया है। मामला तब और गंभीर हो गया जब यह खुलासा हुआ कि ताज और उनका प्रतिनिधिमंडल वैंकूवर में होने वाली फीफा कांग्रेस में हिस्सा लेने कनाडा आ रहे थे। हालांकि, उड़ान के दौरान ही उनके दस्तावेज रद्द कर दिए गए और टोरंटो पहुंचने पर उन्हें देश में प्रवेश की इजाजत नहीं दी गई। बाद में उन्हें वापस भेज दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इमिग्रेशन मंत्री लीना डायब ने संसद की समिति के सामने पेश होते हुए कहा कि वह इस घटना के लिए पूरी तरह जवाबदेह हैं, लेकिन इस फैसले की प्रक्रिया में उनकी सीधी भागीदारी नहीं थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि संबंधित व्यक्ति के पास कनाडा आने का कोई वैध दर्जा नहीं था और जैसे ही स्थिति स्पष्ट हुई, उसकी अनुमति रद्द कर दी गई। डायब ने यह भी भरोसा दिलाया कि इस मामले की पूरी जांच की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी चूक दोबारा न हो, खासकर तब जब देश 2026 के बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन की तैयारी कर रहा है। सरकार की ओर से सफाई दी गई, लेकिन विपक्ष ने इसे बड़ा मुद्दा बना लिया है। कंजर्वेटिव नेता मिशेल रेम्पेल गार्नर ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक प्रशासनिक गलती नहीं, बल्कि सुरक्षा से जुड़ा गंभीर सवाल है उनके मुताबिक किसी भी हालत में एक ऐसे व्यक्ति को परमिट नहीं दिया जाना चाहिए था, जिसका नाम एक प्रतिबंधित संगठन से जुड़ा रहा हो। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की घटनाएं कनाडा की इमिग्रेशन प्रणाली पर लोगों का भरोसा कमजोर कर रही हैं। यह पूरा विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब 2026 का फीफा वर्ल्ड कप नजदीक है और कनाडा इसकी सह-मेजबानी करने जा रहा है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की एंट्री और सुरक्षा जांच को लेकर सरकार पर दबाव और बढ़ गया है।

ईरान ने दो जासूसों को दी फांसी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने एक बार फिर सख्त कदम उठाते हुए इजराइल के लिए जासूसी के आरोप में दो लोगों को फांसी दे दी है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब इलाके में तनाव पहले से ही बना हुआ है। इन दोनों पर देश की अहम और संवेदनशील जानकारी बाहर पहुंचाने का आरोप था, जिसे कोर्ट ने गंभीर माना और सजा सुनाई गई। इनमें से एक शख्स पर इस्फहान प्रांत में मौजूद नतांज परमाणु साइट के आसपास से खुफिया जानकारी जुटाने का आरोप था। ईरान की न्यायपालिका ने कहा कि दोनों को इजराइल और उसकी खुफिया एजेंसी मोसाद के साथ सहयोग का दोषी पाया गया, जिसके बाद उन्हें फांसी दी गई। यही वजह है कि इस पूरे मामले को ईरान में बड़ी सुरक्षा कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है।

अमेरिका में एच-1बी वीज़ा के भविष्य पर बड़ा संकट भारतीय पेशेवरों की बढ़ी चिंता

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी संसद में पेश किया गया एक नया विधेयक, एंड एच-1बी वीज़ा एब्यूज एक्ट ऑफ 2026, भारत सहित दुनिया भर के उन लाखों पेशेवरों और छात्रों के अमेरिकन ड्रीम पर गहरा संकट पैदा कर रहा है जो अमेरिका में अपने करियर की तलाश में हैं। रिपब्लिकन सांसदों के एक प्रभावशाली समूह द्वारा पेश किए गए बिल को एच-1बी वीज़ा कार्यक्रम के भविष्य के लिए बड़ा खतरा माना जा रहा है। रिपब्लिकन सांसद एली क्रेन द्वारा प्रस्तुत विधेयक को ब्रैंडन गिल, पॉल गोसर और एंडी ओगल्स सहित 35 से अधिक कट्टरपंथी सांसदों का समर्थन मिला है। इसके पीछे फ्रीडम कॉकस नामक करीब 40-45 रिपब्लिकन सांसदों का शक्तिशाली गुट है, जो अमेरिकी श्रमिकों के हितों की रक्षा और आर्थिक राष्ट्रवाद को प्राथमिकता देने की अपनी नीतियों के लिए जाना जाता है। उनका मानना है कि वर्तमान वीज़ा व्यवस्था अमेरिकी नागरिकों के बजाय कॉर्पोरेट जगत को लाभ पहुँचाती है। यह बिल मौजूदा एच-1बी वीज़ा प्रणाली में केवल सुधार नहीं, बल्कि पूरी तरह से बदलने का प्रस्ताव करता है। इसके प्रमुख प्रावधानों में नए एच-1बी वीज़ा जारी करने पर तीन साल का पूर्ण प्रतिबंध, वार्षिक कोटा को मौजूदा 65,000 से घटाकर मात्र 25,000 करना, लॉटरी सिस्टम खत्म कर न्यूनतम 200,000 डॉलर (करीब1.89 करोड़ रुपए) सालाना वेतन की शर्त पर वीज़ा जारी करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, छात्रों के लिए ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) कार्यक्रम को पूरी तरह से समाप्त करने, एच-1बी धारकों के परिजनों (एच-4 वीज़ा) के काम करने पर रोक और इस वीज़ा से ग्रीन कार्ड की राह को बंद करने का भी प्रस्ताव है। वीज़ा एजेंसियों के माध्यम से भर्ती पर भी पूर्ण प्रतिबंध का प्रावधान है।

कनाडा में पेश हुई खुफिया रिपोर्ट, खालिस्तानी चरमपंथी गतिविधियां देश के लिए खतरा

आटोवा (एजेंसी)। कनाडा की सुरक्षा खुफिया सेवा सीएसआईएस ने नई रिपोर्ट जारी कर देश में सक्रिय खालिस्तानी चरमपंथी गतिविधियों को लेकर गंभीर चिंता जता दी है। रिपोर्ट को कनाडाई संसद में भी पेश किया गया, जिसमें कहा गया है कि कुछ खालिस्तानी समूह देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कनाडा में मौजूद कुछ खालिस्तानी तत्व एक हिंसक चरमपंथी एजेंडा को बढ़ावा दे रहे हैं। इन समूहों पर आरोप है कि वे न केवल अपने विचारों का प्रचार कर रहे हैं, बल्कि कुछ मामलों में हिंसक गतिविधियों से भी जुड़े हो सकते हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप की ईरान को दो टूक, कहा- पागलों को नहीं देंगे परमाणु बम

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम और वहां के मौजूदा नेतृत्व के खिलाफ एक बार फिर आक्रामक रुख अपना लिया है। ट्रंप ने चेतावनी भरे लहजे में स्पष्ट किया कि वे ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे, क्योंकि यह वैश्विक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा है। उन्होंने दोटूक कहा कि अगर ईरान के पास परमाणु शक्ति आती है, तो उसका पहला निशाना इजरायल, फिर मध्य पूर्व और यूरोप होगा, जिसके बाद अमेरिका की बारी आएगी। उन्होंने ईरानी नेतृत्व को पागल और दुष्ट करार देते हुए कहा कि ऐसे हाथों में परमाणु तकनीक विनाशकारी साबित होगी।

पाकिस्तान की मध्यस्थता के जरिए आए शांति प्रस्ताव पर असंतोष जाहिर करते हुए ट्रंप ने कहा कि ईरान की शर्तें अमेरिका को मंजूर नहीं हैं। फ्लोरिडा रवाना होने से पहले उन्होंने संकेत दिया कि हालांकि ईरान समझौता चाहता है, लेकिन वे मौजूदा प्रस्ताव से संतुष्ट नहीं हैं। ट्रंप ने दावा किया कि हालिया अमेरिकी सैन्य कार्रवाई, विशेष रूप से बी-2 बॉम्बर्स के प्रहार ने ईरान की रक्षा क्षमताओं को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। उनके अनुसार, अब ईरान के पास न प्रभावी नौसेना बची है और न ही रडार सिस्टम। जब उनसे भीषण हमले की संभावना पर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि वे मानवीय आधार पर किसी देश को खत्म नहीं करना चाहते, लेकिन समस्या के जड़ से समाधान के लिए कड़े कदम उठाने से पीछे भी नहीं हटेंगे।

इस तनाव का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ा है। 28 फरवरी को शुरू हुई जंग और होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) के प्रभावित होने से अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में हाहाकार मचा हुआ है। दुनिया की 20 प्रतिशत तेल आपूर्ति का मार्ग होने के कारण इस संकट ने कच्चे तेल की कीमतों को 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचा दिया है, जो बीते चार साल का उच्चतम स्तर है। हालांकि, सीजफायर की खबरों के बीच कीमतों में मामूली गिरावट देखी गई है, लेकिन तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा। दूसरी ओर, अमेरिका ने आर्थिक घेराबंदी तेज कर दी है। वाशिंगटन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि होर्मुज मार्ग से गुजरने वाले जो भी शिपिंग कंटेनर ईरान को टोल शुल्क का भुगतान करेंगे, उन पर कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। इस दबाव के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि यदि अमेरिका धमकी भरी बयानबाजी बंद करे, तो वे कूटनीति के लिए तैयार हैं। हालांकि, ईरान ने भी अपने एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय कर दिया है और किसी भी संभावित हमले का जवाब देने के लिए अपनी सेना को मुस्तैद रखा है। फिलहाल, पूरी दुनिया की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या कूटनीति से यह संकट सुलझेगा या सैन्य कार्रवाई का नया दौर शुरू होगा।

अमेरिकी सेना समुद्री डाकू, ईरानी बंदरगाहों से अब तक कई जहाजों को पकड़ा

ट्रंप ने कहा- संघर्ष जारी रखने सांसदों से विशेष अनुमति लेने की जरूरत नहीं

वाशिंगटन,(ईएमएस)। ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिका की नाकाबंदी जारी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी नौसेना की तारीफ करते हुए उन्हें समुद्री डाकू बताया है। ट्रंप ने ये भी दावा किया है कि नाकाबंदी से अमेरिका को काफी फायदा हुआ है। ट्रंप ने कुछ दिन पहले अमेरिकी सेना के एक जहाज को जब्त करने का जिक्र किया।

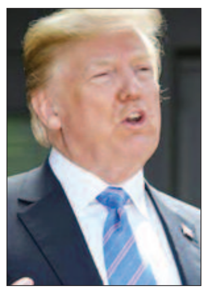

उन्होंने बताया कि ईरान के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिकी सेना ने ईरानी बंदरगाहों से निकलने वाले कई जहाजों को पकड़ा। इसके अलावा, एशियाई समुद्री क्षेत्रों में भी ईरान के टैंकरों और प्रतिबंधित कंटेनर जहाजों पर कार्रवाई की गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान के बंदरगाहों पर नाकाबंदी कर रही अमेरिकी नौसेना की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वो समुद्री डाकू की तरह काम कर रही है। हाल ही में ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस नेताओं को पत्र लिखकर दावा किया था कि ईरान के साथ जारी युद्ध और सैन्य संघर्ष अब खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि युद्ध शक्तियों की समयसीमा खत्म हो गई है, इसलिए अब ईरान के साथ कोई गोलीबारी नहीं हो रही है। बता दें 1 मई को जंग को 60 दिन पूरे हो गए और इसके साथ ट्रंप को जंग जारी रखने के लिए सांसदों की अनुमति की जरूरत है, लेकिन अब ट्रंप का कहना है कि लड़ाई खत्म हो चुकी है, इसलिए उन्हें इस संघर्ष को जारी रखने के लिए सांसदों से विशेष अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। दूसरी तरफ अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने शिपमेंट कंपनियों को चेतावनी दी है कि होर्मुज से गुजरने के लिए ईरान को किसी भी तरह का टोल या शुल्क न दिया जाए। अगर कोई कंपनी ईरान को पैसे देती है, चाहे वो ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी जैसे संगठनों को दान के रूप में ही क्यों न हो, तो उस पर सख्त प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

ईरान में महंगाई ने तोड़ी लोगों की कमर, एक लाख रियाल में सिर्फ दो रोटी

-आर्थिक संकट के बीच 1 करोड़ का नया नोट कर चुका है जारी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में बढ़ती महंगाई ने आम लोगों की जिंदगी को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। हालात ऐसे हैं कि अब देश का एक लाख रियाल का नोट भी बेहद कम मूल्य का माना जाने लगा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस रकम में केवल दो फ्लैटब्रेड यानी रोटी ही खरीदी जा सकती हैं, जो आम नागरिकों के लिए चिंता का विषय है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के कारण लोगों को रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए भारी मात्रा में नकदी साथ रखनी पड़ रही है। आर्थिक दबाव के चलते छोटे मूल्य के नोटों का महत्व तकरीबन समाप्त होता जा रहा है और बड़ी रकम भी जल्दी खर्च हो जाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक इसी बीच सरकार ने हाल ही में 1 करोड़ रियाल का नया बैंकनोट जारी किया है, जो अब तक का सबसे बड़ा नोट है। हालांकि इसकी वास्तविक कीमत भारतीय मुद्रा में करीब 650 से 700 रुपए के आसपास ही है। गुलाबी रंग के इस नोट के एक तरफ 9वीं सदी की जामा मस्जिद की तस्वीर है, जबकि दूसरी ओर ऐतिहासिक बाम किले का चित्र अंकित है। इससे पहले फरवरी में 50 लाख रियाल का नोट जारी किया था, लेकिन नया नोट उससे भी अधिक मूल्य का है।

सरकार का कहना है कि इस बड़े नोट को जारी करने का उद्देश्य लोगों तक नकदी की आसान उपलब्धता सुनिश्चित करना है, हालांकि डिजिटल भुगतान प्रणाली को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके बावजूद एटीएम के बाहर लंबी कतारें देखी जा रही हैं और कई मशीनों में नकदी की कमी की शिकायतें सामने आई हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक अमेरिका और इजराइल के साथ बढ़ते तनाव के चलते लोगों में अनिश्चितता का माहौल है। उन्हें आशंका है कि किसी भी समय इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणाली प्रभावित हो सकती है, जिसके चलते वे ज्यादा नकदी अपने पास रखना चाहते हैं।

अमेरिका ने समुद्र में उतारे मिसाइल डेस्ट्रॉयर, ईरान पर सटीक हमले की तैयारी

वाशिंगटन (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने अपनी नौसेना को हाई अलर्ट पर रखते हुए युद्धपोतों की तैनाती शुरू कर दी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, गाइडेड-मिसाइल डेस्ट्रॉयर यूएसएस डेलबर्ट डी ब्लैक सहित कई जहाजों पर भारी मात्रा में ईंधन, रसद, आधुनिक हथियार और अन्य जरूरी सैन्य सामान लोड किया जा रहा है। यह तैयारी इस ओर इशारा करती है कि अमेरिकी नौसेना क्षेत्र में लंबे समय तक चलने वाले किसी भी सैन्य ऑपरेशन के लिए पूरी तरह कमर कस चुकी है।

इस बीच सैन्य हलकों से आ रही खबरें और भी चौंकाने वाली हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के कमांडर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई के विभिन्न विकल्पों से अवगत कराया है। व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान एडमिरल ब्रैड कूपर ने राष्ट्रपति के समक्ष एक छोटे लेकिन बेहद शक्तिशाली हमले का खाका पेश किया है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य ईरान की बची हुई सैन्य क्षमता, उसके शीर्ष नेतृत्व और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना है। चर्चा यह भी है कि इस संभावित हमले में अमेरिका अपने सबसे घातक और उन्नत हथियार डार्क ईगल हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल कर सकता है।

अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि ईरान सीजफायर की आड़ में अपनी सैन्य शक्ति को फिर से संगठित करने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी सरकार उन मिसाइलों और ड्रोन प्रणालियों को मलबे या भूमिगत ठिकानों से बाहर निकाल रही है, जो पिछले अमेरिकी-इजरायली हवाई हमलों के दौरान सुरक्षित बच गए थे। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि यदि सैन्य ऑपरेशन दोबारा शुरू होता है, तो ईरान अपनी बढ़ी हुई ड्रोन और मिसाइल क्षमता का उपयोग कर मध्य पूर्व के अन्य देशों पर जवाबी हमला कर सकता है। तनाव की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि गुरुवार रात ईरान की राजधानी तेहरान में एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय होने की खबरें आईं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, ये सिस्टम किसी संदिग्ध ड्रोन या टोही विमान को मार गिराने के लिए सक्रिय हुए थे। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह कोई वास्तविक खतरा था या केवल एक युद्धाभ्यास। फिलहाल, वाशिंगटन से लेकर तेहरान तक सैन्य हलचलें तेज हैं और पूरी दुनिया की नजरें राष्ट्रपति ट्रंप के अगले कदम पर टिकी हैं।

इजरायल ने यूएई की सुरक्षा के लिए तैनात की अपनी सबसे उन्नत लेजर रक्षा प्रणाली

तेल अवीव (एजेंसी)। मध्य पूर्व के बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कूटनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। इजरायल ने ईरान के संभावित मिसाइल और ड्रोन हमलों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए अपनी सबसे आधुनिक लेजर-आधारित वायु रक्षा प्रणाली आयरन बीम को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में तैनात कर दिया है। साल 2020 में हुए अब्राहम एकॉर्ड्स के बाद दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग का यह अब तक का सबसे बड़ा और अभूतपूर्व उदाहरण है। इस कदम की खास बात यह है कि इजरायल ने न केवल अपने अत्याधुनिक हथियार बल्कि उन्हें संचालित करने के लिए अपने सैन्य कर्मियों को भी पहली बार किसी अरब देश की धरती पर उतारा है।

इजरायल द्वारा यूएई को दिए गए इस सुरक्षा कवच में तीन प्रमुख तकनीकें शामिल हैं। सबसे महत्वपूर्ण आयरन बीम है, जो एक हाई-एनर्जी लेजर हथियार है। यह प्रणाली कम दूरी के रॉकेट, आर्टिलरी और ड्रोन्स को महज 4 से 5 सेकंड में लेजर बीम से जलाकर नष्ट कर देती है। इसके साथ ही, दुनिया की सबसे भरोसेमंद रक्षा प्रणाली आयरन डोम और स्पेक्ट्रो सिस्टम भी तैनात किए गए हैं। स्पेक्ट्रो सिस्टम एक उन्नत निगरानी प्रणाली है जो शाहेद जैसे छोटे ईरानी ड्रोन्स को 20 किलोमीटर दूर से ही रडार पर पकड़ने में सक्षम है। इस रक्षा समझौते का सबसे चौंकाने वाला पहलू इजरायली सैनिकों की मौजूदगी है। रिपोर्टों के अनुसार, केवल हथियारों का निर्यात नहीं किया गया है, बल्कि इन प्रणालियों के संचालन के लिए दर्जनों इजरायली सैन्य कर्मी यूएई में मौजूद हैं। यह बड़े पैमाने पर बूट्स ऑन द ग्राउंड की स्थिति है। इसके अतिरिक्त, इजरायल अब पश्चिमी ईरान से होने वाले मिसाइल लॉन्च की रियल-टाइम खुफिया जानकारी भी यूएई के साथ साझा कर रहा है।

बताया जा रहा है कि ईरान द्वारा हाल के समय में किए गए भारी मिसाइल और ड्रोन हमलों को देखते हुए इजरायल ने आनन-फानन में अपने वे हथियार भी भेज दिए जो अभी प्रोटोटाइप चरण में थे। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दशकों की कड़वाहट के बाद इजरायल का अपनी सबसे संवेदनशील तकनीक एक अरब देश को देना गहरे भरोसे को दर्शाता है। यह ईरान के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि अब खाड़ी के देश और इजरायल एक साझा रक्षा मोर्चे पर एकजुट हैं। लेजर तकनीक का उपयोग ड्रोन हमलों का एक किफायती तोड़ भी साबित हो रहा है, क्योंकि इसमें इंटरसेप्टर मिसाइलों की तरह करोड़ों का खर्च नहीं आता।

ट्रंप ने फिर उड़ाया मुस्लिम महिला सांसद का मजाक, बोले- इन्होंने सगे भाई से शादी की

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने विवादास्पद बयानों और तीखे तेवरों के चलते एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। फ्लोरिडा में आयोजित एक चुनावी रैली के दौरान ट्रंप ने न केवल अमेरिका की मुस्लिम सांसद इल्हान उमर के बोलने के लहजे (एक्सेंट) की नकल उतारी, बल्कि उन पर बेहद निजी और गंभीर आरोप लगाकर नया विवाद खड़ा कर दिया। ट्रंप ने मंच से एक पुरानी और विवादित अफवाह को दोहराते हुए दावा किया कि इल्हान उमर ने अपने सगे भाई से शादी की है। इस दौरान उन्होंने उपहास उड़ाते हुए कहा कि यह पूरी तरह गैरकानूनी है, लेकिन फिर भी वे एक प्यारी जोड़ी की तरह दिखते हैं।

ट्रंप ने रैली में इस कथित रिश्ते का मजाक उड़ाने के लिए एक काल्पनिक बातचीत का स्वांग रचा और ब्रदर शब्द का इस्तेमाल करते हुए इल्हान उमर की मिमिक्री की। उन्होंने समर्थकों के बीच उमर को घिनौना करार देते हुए कहा कि वह उन्हें देखना तक बर्दाश्त नहीं कर सकते। गौरतलब है कि रूढ़िवादी गुट लंबे समय से यह दावा करते रहे हैं कि उमर ने आव्रजन नियमों का फायदा उठाने के लिए अपने भाई से शादी की थी, जिसे ट्रंप ने चुनावी हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया।

सांसद उमर के मूल देश सोमालिया को लेकर भी ट्रंप ने बेहद तल्ख टिप्पणी की। उन्होंने व्यंग्य करते हुए सोमालिया को एक ऐसा देश बताया जहां न सरकार है और न सेना, बल्कि वहां सिर्फ गरीबी और अपराध का बोलबाला है। ट्रंप ने नाराजगी जताते हुए कहा कि ओमार एक ऐसे देश से आती हैं जिसकी हालत दुनिया में सबसे खराब है, लेकिन वे अमेरिका आकर यहां के लोगों को शासन चलाने की नसीहत देती हैं। उन्होंने उमर को पाखंडी बताते हुए उनके संवैधानिक अधिकारों पर भी सवाल उठाए।

इतना ही नहीं, ट्रंप ने इल्हान उमर पर वित्तीय धोखाधड़ी के आरोप भी लगाए। उन्होंने एक कथित घटना का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले महीने उमर ने अपनी संपत्ति 38 मिलियन डॉलर घोषित की थी, लेकिन जांच शुरू होते ही उन्होंने इसे महज एक अकाउंटिंग की गलती बताकर 80,000 डॉलर से भी कम कर दिया। अपने भाषण के अंत में ट्रंप ने बेहद सख्त लहजे में कहा कि ऐसे लोगों का जीवन घोटालों पर आधारित होता है और उन्हें देश से बाहर निकाल देना चाहिए। उनके इस भाषण के बाद राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

अमेरिका ने ईरान की नाकेबंदी तोड़ने के लिए बनाया अंतरराष्ट्रीय गठबंधन का प्लान

-होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के बीच...

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच जारी सैन्य टकराव अब एक नए और जटिल रणनीतिक मोड़ पर पहुंच गया है। पिछले दो महीनों से जारी इस संघर्ष की गति भले ही कुछ धीमी पड़ती दिख रही हो, लेकिन तनाव का स्तर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। वर्तमान में इस टकराव का केंद्र दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बन गया है। ईरान द्वारा इस मार्ग पर की गई नाकेबंदी ने अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की चिंताएं बढ़ा दी हैं, क्योंकि वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। इस नाकेबंदी के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ते नकारात्मक प्रभाव को देखते हुए अब अमेरिका ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है।

अमेरिकी प्रशासन अब सीधे सैन्य टकराव के बजाय कूटनीतिक और सामूहिक सुरक्षा की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इस नई रणनीति के तहत 'मैरीटाइम फ्रीडम कंस्ट्रक्ट' यानी समुद्री स्वतंत्रता संरचना नाम का एक अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाने की तैयारी की जा रही है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही को फिर से सामान्य करना और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस योजना को प्रभावी बनाने के लिए अमेरिकी विदेश विभाग और अमेरिकी सेंट्रल कमान (सेंटकॉम) मिलकर काम करेंगे। जहाँ विदेश विभाग विभिन्न देशों और शिपिंग कंपनियों के साथ कूटनीतिक समन्वय करेगा, वहीं सेंटकॉम समुद्री गतिविधियों की निगरानी और जहाजों को सुरक्षा प्रदान करने का जिम्मा संभालेगा। दरअसल, फरवरी के अंत में हुए हमलों के बाद ईरान ने इस मार्ग पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी, जिससे शिपिंग ट्रैफिक लगभग ठप हो गया है। दूसरी ओर, ईरान ने भी अमेरिका की इस घेराबंदी का जवाब देने के लिए फोन डिप्लोमेसी का सहारा लिया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तुर्की, कतर, सऊदी अरब, मिस्र और इराक जैसे क्षेत्रीय देशों के विदेश मंत्रियों से संपर्क कर अपनी स्थिति स्पष्ट की है। ईरान ने इन देशों को संदेश दिया है कि क्षेत्र में अस्थिरता का मुख्य कारण अमेरिका और इजरायल की नीतियां हैं। ईरान का कहना है कि वह शांति का पक्षधर है और उसने इस युद्ध की शुरुआत नहीं की थी, लेकिन अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए उसकी सेना पूरी तरह तैयार है। ईरान ने यह संकेत भी दिया है कि यदि अमेरिका अपना रुख बदलता है, तो बातचीत के रास्ते खुले हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि होर्मुज का यह संघर्ष अब केवल सैन्य नहीं, बल्कि एक बड़े वैश्विक राजनीतिक और कूटनीतिक युद्ध में तब्दील हो चुका है, जिसके परिणाम पूरी दुनिया के लिए दूरगामी होंगे।

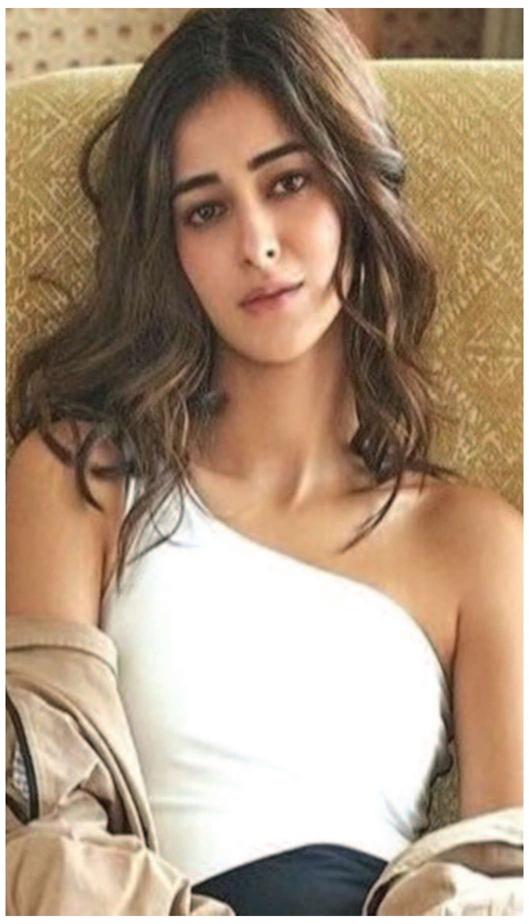

भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हैं अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म चांद मेरा दिल को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। युवा पीढ़ी की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक अनन्या, अपने करियर और भविष्य की योजनाओं को लेकर काफी स्पष्ट और मुखर हैं। हाल ही में उन्होंने अपने पेशेवर दृष्टिकोण और आकांक्षाओं को लेकर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि वह अपने करियर को किस दिशा में ले जाना चाहती हैं और किन उद्देश्यों के साथ काम कर रही हैं। अनन्या ने अपनी बातों को साझा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि मैंने अभी तो बस शुरुआत की है, लेकिन ऐसी बहुत सी फिल्में और बेहतरीन कलाकार हैं, जिनके साथ काम करना मेरा सपना है। यह उनके असीमित उत्साह और सीखने की ललक को दर्शाता है।
अनन्या ने बताया कि उनके पास भविष्य की योजनाओं की एक लंबी लिस्ट है और वह इंडस्ट्री में बहुत कुछ हासिल करना चाहती हैं। उन्होंने अपनी बातें शेयर करते हुए कहा कि वह अब अपने करियर में एक कदम और आगे बढ़ाना चाहती हैं।
अभिनेत्री का उद्देश्य अब ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना है, जो केवल तात्कालिक सफलता ही नहीं, बल्कि लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बसी रहें और एक स्थायी प्रभाव छोड़ें।
उन्होंने दृढ़ता से कहा, मैं कुछ ऐसा प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिसे हमेशा याद रखा जाए और जो मेरे बाद भी दुनिया में बना रहे। यह कथन उनकी परिपक्व सोच और कला के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाता है, जहां वह क्षणिक प्रसिद्धि से परे जाकर रचनात्मक विरासत बनाने पर जोर दे रही हैं।
अनन्या ने माना कि उम्र और अनुभव के साथ फिल्मों और अभिनय के प्रति उनका लगाव और गहरा होता जा रहा है।
उन्होंने बताया, फिल्मों को अब मैं लंबे समय तक चलने के नजरिए से देख रही हूं, क्योंकि मुझे अब समझ आ रहा है कि फिल्में कितनी प्रभावशाली होती हैं और वे हमेशा के लिए अमर हो जाती हैं। मैं आज के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं। यह उनकी कलात्मक यात्रा में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, जहां वह अपनी पसंद को अधिक सोच-समझकर चुन रही हैं। अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ जल्द ही फिल्म चांद मेरा दिल में नजर आएंगी। यह एक कॉलेज रोमांस से शुरू होकर एक इंटेंस और ट्रैजिक लव स्टोरी में बदलती है, जो युवाओं के जुनून भरे प्यार को दर्शाती है। फिल्म की कहानी में प्यार, बलिदान और भावनाओं का एक गहरा मिश्रण देखने को मिलेगा। विवेक सोनी द्वारा निर्देशित फिल्म चांद मेरा दिल का निर्माण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है, जो इसकी भव्यता और गुणवत्ता का संकेत है। फिल्म में अनन्या पांडे चांदनी और लक्ष्य आरव के रूप में नजर आएंगे। चांद मेरा दिल 22 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, और अनन्या के प्रशंसक उन्हें इस नए और गहरे किरदार में देखने के लिए उत्साहित हैं।

शादी की 10वीं सालगिरह पर एक दूसरे पर बिपाशा और करण ने बरसाया प्यार

बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर बॉलीवुड के उन चुनिंदा कपल्स में से हैं जिनकी गिनती बोल्ड और क्यूट जोड़ी के तौर पर होती है। साल 2016 में शादी के बंधन में बंधने के बाद से यह जोड़ा अपने रिश्ते को न केवल बखूबी निभा रहा है, बल्कि लगातार अपने प्रशंसकों को कपल गोल्स भी दे रहा है।
उनका सोशल मीडिया अकाउंट इस बात का सबूत है, जो प्यारी और पारिवारिक तस्वीरों से भरा रहता है। हाल ही में इस प्यारे कपल ने अपनी शादी के 10 साल पूरे किए, और इस खास मौके पर करण सिंह ग्रोवर ने अपनी अभिनेत्री पत्नी पर जमकर प्यार लुटाया है। करण ने इंस्टाग्राम पर शादी की 10वीं सालगिरह को सेलिब्रेट करते हुए एक बेहद ही खूबसूरत वीडियो शेयर किया है, जिसमें दोनों के क्वालिटी टाइम मोमेंट्स की झलकियाँ हैं। वीडियो में कभी दोनों साथ में फिल्म देखते हुए नजर आ रहे हैं, तो कभी एक-दूसरे को प्यार से किस करते हुए दिख रहे हैं। यह वीडियो उनके गहरे प्यार और आपसी समझ को दर्शाता है, जो दर्शकों का दिल जीत रहा है।
अभिनेता ने इस वीडियो के साथ एक भावुक कैप्शन भी लिखा है, जिसके जरिए उन्होंने बिपाशा पर बेशुमार प्यार बरसाया है। करण ने अपनी पत्नी को अपनी ताकत और जीवन को सार्थक बनाने वाला शख्स बताया है। उन्होंने लिखा, तुम मेरे लिए सब कुछ थे, हो और हमेशा रहोगे। तुम मेरी हर धड़कन, हर सांस, मेरी ताकत, मेरी परी हो। तुम मेरी वजह हो, तुम मेरे जीवन को अर्थ देते हो। तुम्हारा प्यार मेरा कवच है, मेरी महाशक्ति है। मैं जो हूं, वह तुम्हारे कारण हूं। मैं तुम्हें अनंत काल तक, अनंत काल तक, बीते और अनबीते जन्मों से भी अधिक समय तक, अनंत काल तक और एक दिन तक प्यार करूंगा! मैं तुमसे प्यार करता हूं, 10वीं सालगिरह मुबारक! करण के इन शब्दों ने उनके रिश्ते की गहराई और एक-दूसरे के प्रति उनके समर्पण को उजागर किया है।
बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दोनों की मुलाकात 2015 में फिल्म अलोन के सेट पर हुई थी। धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई, लेकिन बिपाशा का मानना था कि वे तब तक शादी नहीं करेंगी, जब तक खुद करण उन्हें शादी के लिए प्रपोज नहीं करते। नए साल के दिन, करण ने थाईलैंड की खाड़ी में स्थित खूबसूरत द्वीप पर बिपाशा को डायमंड रिंग के साथ प्रपोज करके सभी को चौंका दिया। 30 अप्रैल 2016 को इस जोड़े ने बंगाली रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लिए।
शादी के समय करण ग्रोवर को काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था क्योंकि यह उनकी तीसरी शादी थी, लेकिन इस जोड़े ने सभी आलोचनाओं का सामना करते हुए अपने रिश्ते को मजबूत बनाया। आज वे देवी नाम की एक प्यारी सी बेटी के माता-पिता भी हैं, और उनका परिवार खुशहाल जीवन जी रहा है, जो बॉलीवुड में एक मिसाल बन गया है।

नाना पाटेकर 76 की उम्र में भी युवा एक्टर्स को भी दे रहे फिटनेस में मात

नाना पाटेकर, भारतीय सिनेमा के एक ऐसे दिग्गज अभिनेता हैं, जो सिर्फ अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए ही नहीं, बल्कि अब अपनी अद्भुत फिटनेस के लिए भी जाने जाते हैं। 76 साल की उम्र में भी वे अपने किसी भी युवा समकालीन को कड़ी टक्कर दे सकते हैं, और इसका हालिया सबूत सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में देखने को मिला। प्रसिद्ध फोटोग्राफ़र और प्रोड्यूसर अतुल कासबेकर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें नाना पाटेकर लगातार 15 ट्राइसेप डिप्स करते हुए नजर आ रहे हैं और वह भी बिना किसी थकान या पसीना बहाए। अतुल द्वारा फोटो-शेयरिंग ऐप पर शेयर की गई इस क्लिप में नाना पाटेकर को टैन शॉर्ट्स और सफेद बनियान पहने देखा जा सकता है, जिसके साथ उन्होंने अपने गले में एक गमछा भी लपेटा हुआ है, जो उनके देसी अंदाज को दर्शाता है।
उन्हें बिना किसी रुकावट के, पूरी सहजता के साथ ट्राइसेप डिप्स करते देखा गया, और तो और, इस कसरत के आखिर में उनके चेहरे पर एक संतुष्टि भरी मुस्कान भी थी। इस उम्र में भी फिटनेस के बड़े लक्ष्य तय करने के लिए नाना की तारीफ करते हुए, अतुल ने कैप्शन में लिखा, आ-हो नाना साहेबज!!! आपने तो मेरे फिटनेस लक्ष्य ही बदल दिए!!! ये हैं नाना पाटेकर जी। उनकी उम्र 76 साल है। और ये उन्हें बार्स पर ट्राइसेप डिप्स करते हुए दिखाया गया है।
फिल्म इंडस्ट्री के कई सदस्यों ने नाना के इस जज्बे की तारीफ की। शिल्पा शेट्टी, विनीत कुमार सिंह और राहुल देव जैसे कलाकारों ने कमेंट सेक्शन में आग और लाल दिल वाले इमोजी शेयर करके अपनी प्रशंसा जाहिर की, जिससे पता चलता है कि नाना की फिटनेस सिर्फ प्रशंसकों के बीच ही नहीं, बल्कि उद्योग में भी चर्चा का विषय बन गई है। कुछ इंस्टाग्राम यूजर्स ने नाना के मशहूर किरदार, वेलकम फ्रैंचाइजी के उदय शेट्टी का भी जिक्र किया। उन्होंने कंट्रोल उदय कंट्रोल और उदय भाई अभी भी फिट दिख रहे हैं जैसे मजेदार कमेंट्स किए, जो नाना के लोकप्रिय ऑन-स्क्रीन किरदारों और उनके वास्तविक जीवन की फिटनेस के बीच एक दिलचस्प संबंध स्थापित करते हैं। अब अगर नाना की आगामी फिल्मों की बात करें, तो वह 2025 में आने वाली हाउसफुल 5 का हिस्सा थे, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख और अन्य कलाकार भी थे। इसके अलावा, उन्हें विशाल भारद्वाज की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म ओरोमियो में एक पुलिसवाले के किरदार में भी देखा गया था, जिसमें शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में थे। उन्होंने अनिल कपूर और राधिका मदान स्टारर फिल्म सूबेदार में भी एक कैमियो रोल किया था। नाना पाटेकर की यह ऊर्जा और काम के प्रति समर्पण वाकई प्रेरणादायक है।

फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश: रुक्मिणी वसंत

हाल ही में अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत ने ब्लॉकबस्टर फिल्म कांतारा- ए लेजेंड चैप्टर 1 के भव्य पैमाने और इसकी अनोखी दुनिया के बारे में खुलकर बात की। रुक्मिणी वसंत ने बताया कि फिल्म का स्केल इतना बड़ा और प्रभावशाली है कि उन्होंने अपने करियर में पहले कभी ऐसा कुछ अनुभव नहीं किया। उन्होंने कहा, ꣸इसका स्केल निश्चित रूप से ऐसा है जैसा मैंने अब तक कभी नहीं देखा। फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश और बेहद भव्य है। रुक्मिणी ने आगे कहा कि वह निर्देशक गीतू मोहनदास और अभिनेता यश द्वारा तैयार की जा रही इस नई दुनिया को देखकर बहुत खुश और रोमांचित हैं। अभिनेत्री ने बताया, 'मुझे लगता है कि हमारी डायरेक्टर गीतू मोहनदास और यश जो फिल्म तैयार कर रहे हैं, वह इतनी विशाल और नई है कि यह मुझे सचमुच कुछ अनोखा और अलग लगता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे यह देखने के लिए भी उत्सुकता है कि दर्शक इस नई दुनिया पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।'
यह टिप्पणी फिल्म की मौलिकता और उसके बड़े पैमाने पर निर्माण की ओर इशारा करती है, जिससे यह एक असाधारण सिनेमाई अनुभव होने की उम्मीद बढ़ जाती है। रुक्मिणी ने फिल्म पर बात करते हुए कहा कि वह खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इस प्रोजेक्ट में काम करने का मौका मिला है, जो उनके करियर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रहा है। उन्होंने बताया कि 4 जून को रिलीज होने वाली यह फिल्म उन्हें सबसे ज्यादा रोमांचित कर रही है। यह फिल्म यश और वेंकट के. नारायण की प्रोडक्शन कंपनियों केवीएन प्रोडक्शंस और मॉनस्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बन रही है, जो गुणवत्तापूर्ण सिनेमा बनाने के लिए जानी जाती हैं।
फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे कई स्थापित और प्रतिभाशाली कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं, जिससे फिल्म की कास्टिंग भी काफी दमदार लग रही है। टॉक्सिक न केवल हिंदी और तेलुगु में रिलीज होगी, बल्कि तमिल, मलयालम समेत कई अन्य भारतीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में भी इसे डब किया जाएगा। यह व्यापक रिलीज रणनीति यह सुनिश्चित करेगी कि फिल्म पूरे देश के साथ-साथ विदेशों में भी दर्शकों तक पहुंच सके, जिससे इसकी पहुंच और प्रभाव और भी बढ़ जाएगा। रुक्मिणी वसंत इस फिल्म के अलावा जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म में भी काम कर रही हैं, जो उनके करियर के लिए एक और बड़ा प्रोजेक्ट है। उनके पास कुछ अनऑनाउंस्ड प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनकी घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।

बुची बाबू सना की राम चरण स्टारर 'पेड्डी' 4 जून 2026 को होगी रिलीज, आईपीएल खत्म होते ही मचेगा धमाल

बुची बाबू सना की 'पेड्डी' करेगी बॉक्स ऑफिस पर कब्जा, राम चरण स्टारर फिल्म 4 जून 2026 को होगी रिलीज

'पेड्डी' को साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक माना जा रहा है। फिल्म में राम चरण के साथ जान्हवी कपूर नजर आएंगी, जबकि इसका शानदार संगीत ए.आर. रहमान ने तैयार किया है। यह फिल्म वृद्धि सिनेमास के बैनर तले बनाई जा रही है!
'पेड्डी' साल 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनकर उभरी है, जिसमें ग्लोबल स्टार राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में जान्हवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में हैं। ऐलान के बाद से ही यह प्रोजेक्ट फैंस के साथ-साथ इंडस्ट्री में भी जबरदस्त चर्चा में बना हुआ है। हाल ही में 'पेड्डी पहलवान' रिलीज किया गया, जिसमें राम चरण बिल्कुल अलग अवतार में नजर आए, और इसे पूरे देशभर से जबरदस्त प्यार मिला। अब फिल्म ने आधिकारिक तौर पर अपनी रिलीज डेट 4 जून 2026 तय कर ली है, जो आईपीएल सीजन के तुरंत बाद है।
'पेड्डी' को लेकर उत्साह अपने चरम पर है और फिल्म अब 4 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साल की सबसे बड़ी फिल्मों में शुमार यह फिल्म आईपीएल सीजन खत्म होते ही आएगी, जो एक बड़े पर्दे के शानदार तमाशे के लिए बिल्कुल सही समय माना जा रहा है और इससे बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचने की उम्मीद है।
'पेड्डी' हर नए कंटेंट के साथ साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल होती जा रही है। फिल्म से जुड़ा हर कंटेंट शानदार तरीके से काम कर रहा है, चाहे टीज़र हो, 'चिकिरी चिकिरी' गाना, 'राय राय रा रा' गाना या पोस्टर्स, हर चीज़ ने हमें 'पेड्डी' की दुनिया में एक बेहद अलग अंदाज़ में ले जाकर छोड़ा है। यह पूरी तरह कंटेंट की सफलता है, बिना किसी दिखावे के।
'पेड्डी' का पहला गाना 'चिकिरी चिकिरी' रिलीज होते ही जबरदस्त चर्चा में आ गया था। दर्शकों ने इसके फ्रेश वाइब और ए.आर. रहमान के सिग्नेचर टच को खूब पसंद किया। यह गाना तेजी से लोगों से जुड़ा और अब तक अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज़ पार कर चुका है, जो फिल्म के म्यूजिक को लेकर बढ़ते उत्साह को दिखाता है।
इस मोमेंटम को आगे बढ़ाते हुए मेकर्स ने दूसरा गाना 'राय राय रा रा' रिलीज किया, जो एक हाई-एनर्जी ट्रैक है और आते ही ऑनलाइन छा गया। इस गाने ने यूट्यूब पर 47 मिलियन से ज्यादा व्यूज़ पार कर लिए हैं, जिससे फिल्म की रिलीज को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है।
बुची बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित 'पेड्डी' में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही शिवा राजकुमार, जान्हवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी नजर आएंगे। वेंकट सतीश किलारू द्वारा अपने बैनर वृद्धि सिनेमाज और प्रसिद्ध प्रोडक्शन हाउस माइथ्री मूवी मेकर्स के सहयोग से निर्मित यह फिल्म 4 जून 2026 को रिलीज होगी।

एक नजर

टेंडर में उलझी सिटी बस सेवा, शर्तों में फंसी नगर पालिका

नई टिहरी। नगर पालिका नई टिहरी की सिटी बस सेवा शुरू करने की योजना पिछले चार माह से टेंडर प्रक्रिया में उलझकर रह गई है। जटिल शर्तों और तकनीकी अड़चनों के चलते कोई भी ठेकेदार आगे नहीं आ रहा जिससे नगरवासियों को सिटी बस सुविधा के लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। विधायक निधि से बीते दिसंबर माह में नगर पालिका नई टिहरी को सिटी बस खरीदने के लिए 23 लाख रुपये की धनराशि जारी की गई थी। नगर क्षेत्र के लोगों को नई टिहरी, बौराड़ी, भागीरथीपुरम, कोटी कॉलोनी, चंबा और बादशाहीथौल क्षेत्र के बीच नियमित परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सिटी बस का संचालन किया जाना था। अब तक नगर क्षेत्र में सिटी बस सुविधा न होने के कारण लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इन दिनों चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद अधिकांश बसें यात्रा मार्गों पर संचालित हो रही है जिससे स्थानीय रूट पर बसों की कमी और बढ़ गई है। ऐसे में लोगों को नगर के आसपास क्षेत्रों में जाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। सिटी बस क्रय करने लिए पालिका ने पहली बार ऑफलाइन टेंडर आमंत्रित किया था लेकिन उस पर आपत्तियां लगने के कारण प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई थी। इसके बाद ऑनलाइन टेंडर जारी किए गए। पहली बार तीन ठेकेदारों ने आवेदन किया लेकिन वे निर्धारित शर्तों को पूरा नहीं कर पाए और टेंडर निरस्त करना पड़ा। दूसरी बार दो आवेदकों ने आवेदन किया लेकिन वे भी नियमों पर खरे नहीं उतर पाए। चार माह बीतने के बाद भी बस खरीद की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। लोग लंबे समय से सिटी बस सेवा शुरू होने की उम्मीद लगाए बैठे थे लेकिन बार–बार टेंडर निरस्त होने से उनकी उम्मीदों को झटका लगा है।

गदेरे का पानी खेतों में घुसा, गेहूं की फसल बरबाद

नई टिहरी। सीमांत गेंवाली गांव में बारिश से गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। बागी और खरसाडा तोक गदेरा उफान पर आने से पानी खेतों में घुस गया जिससे गेहूं की फसल बरबाद हो गई। गेंवाली के पूर्व ग्राम प्रधान बचन सिंह रावत ने बताया कि शनिवार अपराह्न तीन बजे के लगभग क्षेत्र में एकाएक झमाझम बारिश हुई। बारिश होते ही बागी और खरसाडा तोक गदेरा उफान पर आ गया। गदेरे का पानी सीधे गेहूं की खेतों में जा घुसा। खेतों में तैयार गेहूं की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया 22 अगस्त 2024 और 28 अगस्त 2025 को क्षेत्र में बादल फटने से गेंवाली गांव में खेतों को भारी नुकसान पहुंचा था। गदेरे से 43 परिवार खतरे की जद में आ गए थे। तब से प्रभावित परिवारों का पुनर्वास करने की मांग की रही है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो पाई। गदेरे के आसपास बाढ़ सुरक्षा कार्य भी नहीं कराए गए। हर बरसात में गदेरा खतरे का कारण बन जाता है लेकिन प्रशासन की ओर से स्थायी समाधान के लिए कोई कदम नहीं उठाए गए। इससे लोगों में आक्रोश है। उन्होंने नुकसान का सर्वे कर जल्द प्रभावितों को मुआवजा देने की मांग की।

बदरीनाथ धाम में उमड़ने लगे श्रद्धालु

चमोली। बदरीनाथ मंदिर के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं का रैला उमड़ने लगा है। श्रद्धालु बदरीनाथ भगवान के दर्शनों के बाद ब्रह्मकपाल में अपने पितरों को तर्पण देने पहुंच रहे हैं। शनिवार को बदरीनाथ मंदिर में 12779 श्रद्धालु दर्शनों को पहुंचे। अभी तक मंदिर में 127209 श्रद्धालु बदरीनाथ भगवान के दर्शन कर चुके हैं। बदरीनाथ धाम में पहुंच रहे श्रद्धालु यहां के प्राकृतिक सौंदर्य का लुत्फ भी उठा रहे हैं। मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान ने बताया कि बदरीनाथ मंदिर में दर्शनों की बेहतर व्यवस्था की गई है, जिससे तीर्थयात्री सुगमता से दर्शन कर रहे हैं। श्रद्धालु बदरीनाथ मंदिर के दर्शन करने के बाद बदरीनाथ क्षेत्र में अन्य तीर्थस्थलों के दर्शनों के लिए भी पहुंच रहे हैं।

13 साल से क्षतिग्रस्त पड़ी मंगरोली सिंचाई नहर

गोपेश्वर। नगर पंचायत नंदप्रयाग के समीप मंगरोली गांव की सिंचाई नहर पिछले 13 साल से क्षतिग्रस्त पड़ी हुई है। ग्रामीण अपने खेतों की सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं। वर्ष 2013 में नंदाकिनी नदी में बाढ़ आने से मंगरोली सिंचाई नहर क्षतिग्रस्त हो गई थी। तब से ग्रामीण अपने खेतों की सिंचाई के लिए बारिश पर ही निर्भर रहते हैं। मंगरोली गांव में 90 से अधिक परिवार निवास करते हैं। पूर्व ग्राम प्रधान तेजवीर कंडेरी, महिला मंगल दल अध्यक्ष सुशीला देवी, शकुंतला, सुनील कंडेरी, आनंद सिंह झिंक्वाण, दीपक भंडारी, आनंद कंडेरी, अनिल और भरत सिंह का कहना है कि गांव की सिंचाई नहर लघु सिंचाई विभाग के संरक्षण में है। कई बार विभागीय अधिकारियों को कहने के बावजूद नहर का सुधारीकरण कार्य नहीं किया जा रहा है। उन्होंने शीघ्र नहर की मरम्मत करने की मांग उठाई है।

वाण में 25 से अधिक महिलाएं करेंगी कुटकी का उत्पादन

चमोली। चमोली जिले के देवाल ब्लॉक के वाण गांव में महिलाएं कुटकी उत्पादन के जरिए आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। जिलाधिकारी और सीडीओ चमोली के निर्देश पर ग्रामोत्थान परियोजना (रीप) इस पहल को आगे बढ़ा रही है। रीप ने ग्राम संगठन से जुड़ी पांच महिला समूहों की करीब 25 महिलाओं को इस योजना से जोड़ा है और इसके लिए छह लाख रुपये की सहयोग राशि भी प्रदान की है। परियोजना के तहत सबसे पहले जड़ी–बूटी एवं अनुसंधान से एक समूह को कुटकी के पौधे दिए जाएंगे, जिन्हें नर्सरी में तैयार कर अन्य समूहों में वितरित किया जाएगा। रीप उत्पादन के लिए पौधे, उपकरण, वॉशिंग और पैकेजिंग मशीन के साथ–साथ खरीदार की भी व्यवस्था करेगा। महिलाएं उपकरणों की मदद से कुटकी का पाउडर तैयार करेंगी, जिसे हिलांस ब्रांड के नाम से बेचा जाएगा। रीप के सहायक प्रबंध सेल्स ताजबर गुसाईं के अनुसार कुटकी की कीमत लगभग 1150 रुपये प्रति किलो है और एक परिवार एक सीजन में करीब 50 किलो उत्पादन कर सकता है।

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर 534 कार्मिक दिन रात कर रहे निगरानी

रुद्रप्रयाग। श्री केदारनाथ यात्रा को सुरक्षित और सुचारु बनाए रखने के लिए यात्रा मार्ग पर विभिन्न विभागों के 534 से अधिक कार्मिक तैनात किए गए हैं। ये टीमें यात्रा मार्ग के प्रमुख पड़ावों सोनप्रयाग, गौरीकुंड, जंगलचट्टी, भीमबली, छोटी लिनचोली, लिनचोली, रुद्रा प्वाइंट, बेस कैंप, केदारनाथ हेलीपैड तथा केदारनाथ धाम तक 24 घंटे सेवाएं दे रही हैं। तैनाती में पुलिस विभाग के 224, फायर सर्विस के 11, पुलिस कम्युनिकेशन के 10, एसडीआरएफ के 43, डीडीआरएफ के 7, एनडीआरएफ के 51, होमगार्ड के 33, पीआरडी के 34, यात्री पर्यटन मित्र के 17, खच्चर टास्क फोर्स के 47, आपदा मित्र के 17 और वाईएमएफ के 26 कार्मिक शामिल हैं। इसके अलावा पीएसी की तीन प्लाटून और एक सेक्शन भी लगाया गया है। प्रशासन ने 14 सेक्टर व सब–सेक्टर अधिकारियों को भी निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी है।

वाल्मीकि समाज के बीच पहुंचकर सुने समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष भगवत प्रसाद मकवाना ने विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को वाल्मीकि समाज के बीच पहुंचकर उनकी समस्या सुनने के निर्देश दिए।

नगर निगम सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। मकवाना ने कहा कि वाल्मीकि समाज व सफाई कर्मियों के हितों को लेकर सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। ऐसे में हर व्यक्ति तक सरकारी योजनाएं पहुंचे यह जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों की भी है। मकवाना ने नगर निगम में आउटसोर्स के कर्मचारियों को कम वेतन दिए जाने पर भी नाराजगी जताई। कहा कि उन्हें भी भारत सरकार की गाइड लाइन के अनुसार ही निर्धारित वेतन दिया जाए। कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों को इपीएफ, ईएसआई सहित सुरक्षा उपकरण

नगर निगम सभागार में विभागों की समीक्षा बैठक लेते भगवत प्रसाद मकवाना।

उपलब्ध करवाना भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने नगर आयुक्त को शासनादेश के अनुसार 10 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके स्वच्छता कर्मचारियों को नियमित करवाए जाने, रिक्त पदों के अनुसार स्थाई पर्यवेक्षक बनाने नगर निगम के कर्मचारियों को भूमि व आवास की सुविधा उपलब्ध करवाए जाने की कार्यवाही किए जाने के भी निर्देश दिए। कहा कि नगर निगम के माध्यम से आवंटित दुकानों में वाल्मीकि समाज के लोगों को भी वरीयता दी जाए। इस मौके पर नगर आयुक्त पीएल शाह, उपजिलाधिकारी संदीप कुमार, सहायक नगर आयुक्त चंद्रशेखर शर्मा, अजय अष्टवाल, सफाई निरीक्षक सुनील सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जाखधार के समीप पलटा ट्रक, चार घंटे बाधित रहा यातायात

नई टिहरी। टिहरी–श्रीनगर मार्ग पर शनिवार सुबह जाखधार के समीप एक ट्रक सड़क पर पलटने से चार घंटे तक यातायात बाधित रहा जिससे मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस ने दोपहर एक बजे के लगभग कड़ी मशक्कत के बाद ट्रक को किनारे का यातायात बहाल कराया। सुबह करीब 9 बजे जाखधार–पौखाल के बीच सीमेंट से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया था। ट्रक में सवार चालक और परिचालक सुरक्षित बच निकले। घनसाली थानाध्यक्ष अजय कुमार जाटव ने बताया कि ट्रक पलटने से मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया गया था। पुलिस ने यातायात डायवर्जन करते हुए नई टिहरी व चंबा से श्रीनगर जाने वाले वाहनों को टिपरी से वाया हिंडोलाखाल होते हुए देवप्रयाग जबकि मलेथा से चंबा व नई टिहरी आने वाले वाहनों को देवप्रयाग की ओर डायवर्ट किया जिसके बाद ट्रक को हाईवे से हटाने की कार्रवाई की गई। अपराह्न करीब डेढ़ बजे ट्रक को साइड कर यातायात सुचारू कराया।

आईएचएमएस के दस छात्रों का हुआ फाइव स्टार होटल में कैंपस सलेक्शन

रेडशन ब्लू टॉवर्स में बेहतर पैकेज के लिए, छात्रों ने मनाई खुशी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हास्पीटेलिटी, मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) कॉलेज कोटद्वार में बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट (बीएचएम) कोर्स आमें, अंतिम वर्ष की शिक्षा ले रहे 10 छात्रों का देश के जाने माने पांच सितारा होटल रेडशन ब्लू टॉवर्स में चयन हुआ है। नौकरी मिलने पर छात्रों और उनके परिजनों में खुशी का माहौल है। बलभद्रपुर बीईएल रोड स्थित आईएचएमएस कॉलेज के कार्यकारी निदेशक अजय राज नेगी ने बताया कि कॉलेज में कैंपस प्लेसमेंट सेलेक्शन के तहत गत दिनों रेडशन ब्लू टॉवर्स कोशांभी दिल्ली एनसीआर के सीनियर एचआर मैनेजर ने अलग अलग राउंड में बीएचएम के छात्रों का साक्षात्कार लिया। जिसके बाद छात्र आयुष जोशी, तुषार बिष्ट, आशीष रावत, अंश बिष्ट, सुमित सिंह पटवाल, शिवम गुसाईं, शांतनु नेगी, अनूप भंडारी, नितिन और शुभम का चयन किया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अश्वनी शर्मा ने बताया कि कॉलेज में क्षेत्र के युवाओं की बेहतरीन शिक्षा के लिए आधुनिक शिक्षा प्रणाली विकसित की गई है। जिसके कारण भारत सरकार की एजेंसी नेशनल एसेसमेंट काउंसिल (नैक) ने उन्हें बी ग्रेड की मान्यता दी है। नेक की रेटिंग मिलने के बाद अब देश की जानी मानी कंपनियां प्लेस्मेंट के लिए आईएचएमएस कैंपस में आ रही हैं। कहा कि छात्र छात्राओं के उज्वल भविष्य के लिए अन्य कंपनियों से भी अनुबंध किए जा रहे हैं।

हवन की पूर्णाहुति के साथ भागवत कथा संपन्न

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : सतपुली क्षेत्र के ग्राम मलेठी में क्षेत्र के गरीबों के हितेषी कहे जाने वाले प्रमुख समाजसेवी स्व. ठाकुर सुंदर सिंह चौहान की प्रथम पुण्यतिथि पर मलेठी में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के सातवें व अंतिम दिन शनिवार को श्रद्धा व भक्ति के वातावरण में हवन पूर्णाहुति संपन्न हुई। इन सात दिवसों में गहन आध्यात्मिक वातावरण देखने को मिला। कथावाचक हिमांशु गैरोला ने कथा समापन अवसर पर कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मानव जीवन को सत्कर्म, भक्ति व सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। कहा कि कथा श्रवण से मन शुद्ध होता है, समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। रोज कथा श्रवण करने सतपुली के आसपास क्षेत्रों से ही नहीं बल्कि टिहरी, पौड़ी, कोटद्वार, देहरादून आदि स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण हेतु पहुंचे और व्यासपीठ पर कथावाचक हिमांशु गैरोला से आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा सुनने वालों में शंकर मठ के महामंडलेश्वर दिनेशानंद महराज, महंत स्वामी विश्वनंद महाराज, कोटद्वार मेयर शैलेंद्र सिंह रावत, कांग्रेस प्रदेश सचिव कवींद्र इष्टवाल, विश्व हिंदू परिषद के पूर्व जिलाध्यक्ष महेंद्र सिंह असवाल, हेमंवती नंदन बहुगुणा केंद्रीय विश्व विद्यालय श्रीनगर लोक कला संस्कृति निष्पादन केंद्र निर्देशक गणेश खुगशाल गणि, जिला रेड सोसाइटी के सचिव केशर सिंह असवाल, पूर्व दर्जाधारी भूपेंद्र सिंह लिंगवाल, पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख सुरेन्द्र सिंह मियां, समाजिक कार्यकर्ता आर पी नैथानी, बंधुवर सेवा समिति अध्यक्ष माया देवी आदि उपस्थित रहे। श्रीमद् भागवत कथा आयोजन कर्ता त्रिलोक सिंह चौहान, कनिष्ठ पुत्र जितेंद्र सिंह चौहान नगर पंचायत अध्यक्ष सतपुली ने कथा श्रवण करने आए सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

पौड़ी में शुरू हुआ स्तन कैंसर स्क्रीनिंग अभियान

27 महिलाओं की हुई ब्रेस्ट स्क्रीनिंग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल में स्तर कैंसर की समय पर पहचान और महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्तर कैंसर स्क्रीनिंग अभियान शुरू हो गया है। शनिवार को जिला अस्पताल पौड़ी में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारुल गोयल की उपस्थिति में स्तन कैंसर स्क्रीनिंग अभियान की शुरुवात की गई। अभियान का उद्देश्य समय रहते बीमारी की पहचान कर उपचार को संभव बनाना है। शनिवार को जिला चिकित्सालय पौड़ी में 16 और उप जिला चिकित्सालय श्रीनगर में 11 महिलाओं की ब्रेस्ट स्क्रीनिंग की गई।इस दौरान स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. निहारिका ने चिकित्सालय में मौजूद महिलाओं को स्तन कैंसर के लक्षणों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्तन कैंसर के लक्षणों में स्तन में गांठ, बगल में गांठ, स्तन में दर्द, निप्पल से खून का रिसाव, स्तन में लाली, स्तन या स्तन के ऊपर त्वचा के आकार व बनावट में बदलाव हो सकता। कहा कि यदि महिला को इन लक्षणों में किसी भी तरह की कोई परेशानी हो तो उसे तुरंत चिकित्सक को दिखाना चाहिए, क्योंकि यदि समय पर स्तन कैंसर का

पता चल जाए तो दवाइयों से स्तन कैंसर का उपचार किया जा सकता है, जिन महिलाओं की असंतुलित दिनचर्या, मोटापा, हार्मोंस में गड़बड़ी रहती है उन्हें स्तन कैंसर का खतरा अधिक रहता है। उन्होंने कहा कि देश में स्तन कैंसर मरीजों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है, यदि स्तन कैंसर के बारे में जल्दी पता चल जाता है तो इसके इलाज की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को इसके लिए समय-समय पर जांच कराते रहना चाहिए। साथ ही मोनोपॉज के बाद भी स्तन कैंसर के होने के चांस अधिक रहते हैं, जिसके लिए महिलाओं को माहवारी के 01 सप्ताह या 10 दिन के बाद अपनी जांच अवश्य करनी चाहिए। इस मौके पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक एन.एच.एम. राजीव रावत, जिला डाटा मैनेजर मनीष भट्ट, नर्सिंग अधिकारी रूपा, एन.टी.सी.पी. काउंसलर दुर्गा नेगी, शकुंतला नेगी, उषा देवी, पूजा, रेखा आदि मौजूद रहे।

मंगलवार को शुक्रवार को होगी जांच

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारुल गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला चिकित्सालय पौड़ी और उप जिला चिकित्सालय श्रीनगर में स्तन कैंसर स्क्रीनिंग अभियान की शुरुवात की गई है। प्रत्येक सप्ताह मंगलवार और शुक्रवार को यह सुविधा उपलब्ध रहेगी।

उन्होंने कहा कि स्तन कैंसर स्क्रीनिंग के लिए उषा किशन फाउंडेशन देहरादून द्वारा प्रदत्त आई ब्रेस्ट डिवाइस से आसानी से महिलाओं के स्तनों में यदि कोई गांठ आदि की समस्या हो तो इस डिवाइस के द्वारा आसानी से जांच की जा सकती है। प्रमुख अधीक्षक डॉ. एल.डी सेमवाल ने बताया कि ओ.एन.जी.सी. द्वारा जिला चिकित्सालय पौड़ी को 25 लाख के विभिन्न स्वास्थ्य उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं जो कि चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण व आम जन को बेहतर स्वास्थ्य एवं स्क्रीनिंग में उपयोग होंगे।

सैकोट गांव में सिंचाई नहर पड़ी एक साल से क्षतिग्रस्त

चमोली, दशोली विकास खंड के सैकोट सहित समीपवर्ती गांवों के खेतों की सिंचाई के लिए निर्मित सिंचाई नहर पिछले एक वर्ष से क्षतिग्रस्त पड़ी है। लोग अपने खेतों की सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं। नहर का मुख्य स्त्रोत क्षतिग्रस्त होने के कारण नहर सूखी पड़ी है। नहर के सुधारीकरण को लेकर काश्तकारों ने जिलाधिकारी से भेंट कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि यदि जल्द नहर की मरम्मत नहीं हुई तो धान की रोपाई करना भी मुश्किल हो जाएगा। सैकोट गांव धान और गेहूं की बेहतर उपज के लिए जाना जाता है। गांव के 300 से अधिक परिवारों के खेत गांव क इर्दगिर्द स्थित हैं। विगत वर्ष अगस्त माह में अतिवृष्टि के दौरान सैकोट सिंचाई नहर के मुहाने पर मलबा आने से नहर कई जगहों पर क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत सिंचाई विभाग के अधिकारियों से की मगर इस ओर कोई कार्रवाई नहीं हो पाई। ग्राम प्रधान मंजू रावत, जिला पंचायत सदस्य विपिन फरस्वाण, विक्रम सिंह, नंदन सिंह, विरेंद्र सिंह और गौरव रावत ने

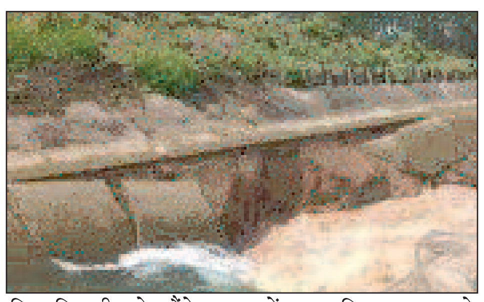

जिलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में कहा कि इस नहर से सैकोट, घुड़साल, देवर कंडेरी और सोनला गांव के खेतों की सिंचाई के लिए पानी की सप्लाई होती है। सैकोट के टेंटुणा तोक के डुंगी गदेरे में नहर क्षतिग्रस्त पड़ी है। कहा गया कि अभी तक नहर की मरम्मत नहीं हो पाई है, जिससे काश्तकार परेशान हैं। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने इस संबंध में सिंचाई विभाग के ईई से वार्ता कर शीघ्र नहर की मरम्मत करने के निर्देश दिए।

थराली पुलिस ने हरिद्वार से दो स्कूली किशोरों को सकुशल बरामद किया

चमोली। थराली पुलिस ने ऑपरेशन स्माइल के तहत घर छोड़कर गए दो स्कूली किशारों को हरिद्वार से सकुशल ढूंढ निकाला व शनिवार को उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी त्रिवेंद्र सिंह राणा ने बताया कि चौंडा गांव के 14 वर्षीय दो किशोर 23 अप्रैल को स्कूल गए थे पर घर नही लौटे। उनके पिता ने 24 अप्रैल को थराली थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। बच्चों के दोस्तों ने बताया कि वे स्कूल से नाम कटने और माता–पिता द्वारा घर न लौटने की बात कह रहे थे। पुलिस टीम ने 150 सीसीटीवी कैमरों और कई होटलों की जांच की। सर्विलांस टीम की मदद से आठ दिन बाद एक मई को उन्हें हरिद्वार के भूपतवाला स्थित एक ढाबे से बरामद किया गया। पुलिस अधीक्षक चमोली और क्षेत्राधिकारी कर्णप्रयाग के निर्देश पर ग्वालदम और नारायणबगड़ की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। बच्चों को वापस पाकर परिजनों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया।

चारधाम यात्रा में दूरस्थ क्षेत्रों की बस सेवाएं प्रभावित

चमोली। चारधाम यात्रा में उत्तराखंड परिवहन निगम की 22 में से 15–16 बसें लगाए जाने के कारण देहरादून हिल डिपो की कई महत्वपूर्ण बस सेवाएं प्रभावित हो गई हैं। इससे कर्णप्रयाग, नागचुलाखाल और पिंडर घाटी जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में आवागमन करने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। देहरादून से वाया कर्णप्रयाग होते हुए गैरसैंण क्षेत्र के नागचुलाखाल तक संचालित बस सेवा करीब एक सप्ताह से बंद है जबकि यह कुमाऊं और पौड़ी जिले की सीमा पर बसे लोगों के लिए अहम साधन है। इसी तरह देहरादून–कर्णप्रयाग–नौटी–देवलकोट रूट की एकमात्र बस सेवा और देहरादून–देवाल बस सेवा भी कई दिनों से ठप है। अपर

बाजार व्यापार संघ अध्यक्ष अनिल खंडूड़ी ने बताया कि दूरस्थ गांवों के लोग इलाज समेत जरूरी कार्यों के लिए कर्णप्रयाग अस्पताल पहुंचने हेतु इन्हीं बसों पर निर्भर हैं, लेकिन सेवाएं प्रभावित होने से उन्हें दिक्कतें हो रही हैं। वहीं, उत्तराखंड परिवहन निगम हिल डिपो देहरादून के सहायक प्रबंधक राकेश कुमार ने बताया कि बसों की कमी के चलते समस्या हो रही है।

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य ने सुनी सफाई कर्मचारियों की समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य करम सिंह कर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को गोपेश्वर में जनपद के विभागीय अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान जनपद में कार्यकर रहे सफाई कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। साथ ही सफाई कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों और अधिकारियों से वार्ता कर समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए गए। नगर पालिका परिषद चमोली गोपेश्वर के सभागार में आयोजित बैठक के दौरान सफाई कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव धर्मेंद्र और जिलाध्यक्ष राजपाल ने नगर पालिका परिषद गोपेश्वर में सफाई कर्मचारियों के 13 पदों पर नियुक्ति करने, मोहल्ला स्वच्छता समिति में संलग्न कर्मचारियों की वेतन वृद्धि किए जाने सहित विभिन्न समस्याओं के निस्तारण की मांग की। जिस पर राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य की

ओर से सभी अधिकारियों को नियमानुसार न्यूनतम मानदेय दिए जाने और सफाई कर्मचारियों की समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने श्रम अधिकारी को सभी विभागों में तैनात सफाई कर्मचारियों की स्थिति और वेतन की जांच करने और न्यूनतम मानदेय भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। इस दौरान उन्होंने नगर पालिकाओं में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की संख्या और वर्तमान में उनकी स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने नियमानुसार हाथ से मैला उठाने वाले कर्मचारियों को सरकार की योजनाओं से शत प्रतिशत लाभान्वित करने के भी निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी धनंजय लिंगवाल ने केंद्र व राज्य सरकार की ओर से संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को सफाई कर्मचारियों के हितों के लिए सरकार की ओर से निर्धारित नियमों की जानकारी भी दी। इस मौके पर परियोजना निदेशक आनंद भाकुनी, उप जिलाधिकारी राजकुमार पांडे, पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. अभिषेक गुप्ता, सीएमएस डॉ. अनुराग धनिक, तहसीलदार दिप्ती शिखा, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी अनिल पंत, बीना नेगी, वाल्मीकि समाज संघ के महामंत्री अमित कुमार, देवभूमि सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष विश्वम्बर, उपाध्यक्ष प्रीतम सिंह आदि मौजूद थे।

जीएमवीएन से गडोली पुल तक लगेगी सिंगल आर्म लाईट

चमोली। गैरसैंण नगर पंचायत की ओर से नैनीताल हाईवे पर जीएमवीएन (गढ़वाल मंडल विकास निगम) से गडोली पुल का सिंगल आर्म लाइटें लगाई जाएगी। लाइटों के लगने से अंधेरे की समस्या दूर होगी। नगर पंचायत की ओर से निविदा जारी की गई है। जल्द ही इस पर काम भी शुरू हो जाएगा। नगर पंचायत की ओर से नगर क्षेत्र को लगातार सुंदर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत नपं की ओर से हाईवे के किनारे सिंगल आर्म लाइटें लगाई जा रही है। जीएमवीएन से गडोली पुल तक एक किमी में 72 लाइटें लगाई जाएगी। जिसके लिए 82 लाख की निविदा जारी की गई है।

आईपीएल 2026: पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच रोमांचक मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का एक और रोमांचक मुकाबला अहमदाबाद में होने जा रहा है, जहाँ पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस आमने-सामने होंगी। शाम 7:30 बजे शुरू होने वाले इस मैच में, जहाँ पंजाब किंग्स अपनी पिछली हार से उबरकर वापसी करना चाहेगी, वहीं गुजरात टाइटंस लगातार तीसरी जीत दर्ज कर अपने अभियान को गति देने के इरादे से मैदान में उतरेगी। यह मुक़ाबला दोनों ही टीमों के लिए अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

पंजाब किंग्स ने इस सीज़न की शुरुआत बेहद शानदार अंदाज़ में की थी, लगातार छह जीत दर्ज कर उन्होंने अपनी मज़बूत स्थिति का प्रदर्शन किया। हालांकि, हालिया हार ने टीम की कुछ कमज़ोरियों को उजागर किया है, खासकर गेंदबाज़ी विभाग में निरंतरता की कमी चिंता का विषय बनी हुई है। आठ मैचों में 13 अंकों के साथ टीम अभी भी अंक तालिका में शीर्ष पर है, जो उनकी शुरुआती ज़बरदस्त फॉर्म का नतीजा है। बल्लेबाज़ी के मोर्चे पर, पंजाब किंग्स ने अपनी ताक़त दिखाई है। सलामी बल्लेबाज़ प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने टीम को लगातार मज़बूत शुरुआत दी है, जबकि मध्य क्रम में श्रेयस अय्यर और कूपर कोनोली जैसे बल्लेबाज़ों ने पारी को संभाला है। इनकी बदौलत टीम बड़े लक्ष्य बनाने और उनका पीछा करने में सफल रही है। इस मैच में भी टीम को अपनी बल्लेबाजी पर काफी भरोसा होगा ताकि वे अपनी शीर्ष स्थान को बरकरार रख सकें।

दूसरी ओर, गुजरात टाइटंस का प्रदर्शन इस सीज़न में उतार-चढ़ाव भरा रहा है। हालांकि, टीम ने हाल ही में लगातार दो जीत हासिल कर आत्मविश्वास प्राप्त किया है और 10 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर पहुँच गई है। गुजरात की बल्लेबाज़ी काफी हद तक अपने शीर्ष तीन बल्लेबाज़ों पर निर्भर करती है, जिनकी फॉर्म टीम के प्रदर्शन में निर्णायक भूमिका निभाती है। मध्य क्रम में, वॉशिंगटन सुंदर ने कुछ अच्छी पारियाँ खेली हैं, लेकिन शाहरुख खान और राहुल तेवतिया जैसे फिनिशर अभी तक अपनी पूरी क्षमता के साथ प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। पिछले मैच में टीम में शामिल किए गए जेसन होल्डर ने गेंद और फील्डिंग दोनों से महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे टीम को थोड़ी राहत मिली है। इस मैच में उनसे भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी, खासकर फिनिशिंग में टीम को एक मजबूत प्रदर्शन की दरकार है। यह मुक़ाबला गुजरात के लिए प्लेऑफ की दौड़ में अपनी स्थिति को और बेहतर बनाने का एक बेहतरीन अवसर है।

यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जहाँ एक ओर पंजाब शीर्ष पर अपनी पकड़ मज़बूत करना चाहेगी, वहीं गुजरात अपनी लय को बरकरार रखते हुए प्लेऑफ की दौड़ में आगे बढ़ना चाहेगी। दर्शकों को निश्चित रूप से एक कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं मनु

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता महिला निशानेबाज मनु आजकल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं। मनु का लक्ष्य इन टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना है। मनु का कहना है कि अभी उनका ध्यान अपना फॉर्म बनाये रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर है। मनु ने दृढ़ता से कहा, इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स हमारे सामने हैं, और हम इन दोनों बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कोच के साथ बैठकें की हैं और आगामी टूर्नामेंट्स तथा अपनी तैयारी की एक संपूर्ण और सुनियोजित रूपरेखा तैयार कर ली है। इससे ये साफ है कि उनकी रणनीति केवल तात्कालिक सफलता पर नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है।

उन्होंने पिछले साल 10 मीटर एयर पिस्टल में वर्ल्ड कप रजत पदक जीता और इस साल भी 25 मीटर पिस्टल में एशियन चैंपियनशिप में रजत हासिल किया। अब उनका लक्ष्य एक बार फिर अपनी पुरानी, शीर्ष स्तरीय लय हासिल करना है, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक निर्विवाद मजबूत दावेदार बनाएगी। यह वापसी केवल उनके लिए नहीं, बल्कि भारतीय शूटिंग जगत के लिए भी प्रेरणा का स्रोत होगी।

2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का क्वालिफिकेशन चक्र भी इसी साल से शुरू हो रहा है, और मनु भाकर इस पर भी अपनी पैनी निगाहें जमाए हुए हैं। उनका मानना है कि एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े आयोजनों में किया गया दमदार प्रदर्शन न केवल उन्हें वर्तमान सत्र में सफलता दिलाएगा, बल्कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए भी एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करेगा।

खेल के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को भी मनु ने साझा किया। उन्होंने 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग की वापसी पर अपनी खुशी व्यक्त की। अपने खेल जीवन के अलावा, मनु ने अपने व्यक्तिगत जीवन में आए एक महत्वपूर्ण बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, मैं अब एक आध्यात्मिक व्यक्ति हूं। यह आध्यात्मिक यात्रा ओलंपिक के दौरान ही शुरू हुई थी, और अब मैं पूरी तरह से इस रास्ते पर आगे बढ़ रही हूं। यह नया दृष्टिकोण उन्हें मानसिक शांति और एकाग्रता प्रदान कर रहा है, जो एक उच्च-स्तरीय एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

थॉमस कप में फ्रांस ने रचा इतिहास, पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत से भिड़ेगा

डेनमार्क (एजेंसी)। डेनमार्क के होर्सेन्स में खेले जा रहे प्रतिष्ठित थॉमस कप में फ्रांस ने इतिहास रचते हुए पहली बार सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है। फ्रांस ने क्वार्टर फाइनल में जापान पर 3-0 की शानदार जीत के साथ यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस विजय ने न केवल फ्रांस को प्रतियोगिता में अपना पहला पदक दिलाया है, बल्कि अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला गत चैंपियन भारत से तय हो गया है, जो बैडमिंटन प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक भिड़ंत का वादा करता है। फ्रांस की टीम ने टूर्नामेंट में अपना असाधारण प्रदर्शन जारी रखा, खासकर एकल स्पर्धाओं में उन्हें पूरी तरह से सफलता मिली। क्रिस्टो पोपोव ने कोडाई नाराओका के खिलाफ एक कड़े शुरुआती मुकाबले में लय बनाई और आखिरकार जीत हासिल की। क्रिस्टो ने मैच के बाद कहा, जब आप कोडाई के साथ खेलते हैं, तो आपको पता होता है कि यह लंबा होने वाला है और आप जानते हैं कि वह आसान गलतियां नहीं करेगा। वह आपको दौड़ाएगा, बहुत पसीना दिलाएगा। मैं इसके लिए तैयार था। इसके बाद, एलेक्स लैनियर ने युशी तनाका पर जीत के साथ फ्रांस की बढ़त को 2-0 किया, जिससे टीम एक ऐतिहासिक नतीजे के कगार पर पहुंच गई।

निर्णायक तीसरे रबर में, टोमा जूनियर पोपोव ने कोकी वतनबे के खिलाफ 21-19, 23-21 से जीत हासिल की, जिसने उनकी टीम को पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचाया। टोमा जूनियर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, मैं बहुत खुश और आनंदित हूं। मेरे शरीर में अब ऊर्जा नहीं बची है। मैंने कोर्ट पर अपना सब कुछ झोंक दिया। यह अविश्वसनीय है। हमने मंगलवार को इंडोनेशिया के खिलाफ जीतकर और क्वालीफाई करके इतिहास रचा, और अब हम इसे फिर से लिख रहे हैं, टीम चैंपियनशिप में पहला मेडल। उन्होंने फ्रेंच बैडमिंटन और फ्रांस पर इस जीत के बड़े प्रभाव पर भी जोर दिया, इसे देश के खेल के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताया।

इस बीच, भारत ने भी चीनी ताइपे पर 3-0 से दमदार जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है। भारत की यह जीत लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी की डबल्स जोड़ी के शानदार प्रदर्शन से मिली। मेजबान टीम डेनमार्क ने भी थाईलैंड पर 3-1 से जीत हासिल करके अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की।

हैदराबाद में महामुकाबला: एक तरफ सनराइजर्स का विजय रथ, दूसरी ओर केकेआर की वापसी की चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में एक रोमांचक मुकाबले के लिए हैदराबाद का राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम तैयार है, जहां सनराइजर्स हैदराबाद का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा, और फैंस को एक हाई-ऑक्टेन मैच की उम्मीद है। एक ओर जहां सनराइजर्स अपनी शानदार फॉर्म और लगातार जीत के सिलसिले को बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी, वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स टीम इस सीज़न में अपनी लय खोजने और अंक तालिका में ऊपर चढ़ने के लिए संघर्ष करती नज़र आएगी।

सनराइजर्स हैदराबाद इस समय टूर्नामेंट की सबसे खतरनाक टीमों में से एक लग रही है। वे लगातार पांच मैच जीत चुकी है और नौ मैचों में छह जीत तथा बारह अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर काबिज है। टीम की सबसे बड़ी ताकत उसकी बल्लेबाजी है, जिसने लगातार बड़े स्कोर खड़े किए हैं और उन्हें खिताब का प्रबल दावेदार बना दिया है। अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन, ईशान किशन और ट्रैविस हेड जैसे बल्लेबाज प्रचंड फॉर्म में हैं। हाल ही में, ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने 76 रनों की आतिशी पारी खेलकर टीम को 243 रनों के विशाल लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने में मदद की थी, जो उनकी बल्लेबाजी इकाई की गहराई और क्षमता को बखूबी दर्शाता है। कप्तान पैट कमिंस की वापसी से टीम की गेंदबाजी को भी मजबूती मिली है, जो पहले से ही संतुलन में दिख रही है। प्रफुल्ल हिंगे, साकिब हुसैन और ईशान मलिंगा जैसे युवा और अनुभवी गेंदबाज भी महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा योगदान दे रहे हैं, जिससे टीम एक पूर्ण और आत्मविश्वास से भरी इकाई के रूप में दिख रही है।

दूसरी ओर, कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन इस सीज़न में उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा है और वे उतार-चढ़ाव भरे दौर से गुज़र रही है। टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। हालांकि उन्होंने हाल के दो मैच जीते हैं, लेकिन टीम में अभी भी स्थिरता की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। कप्तान अजिंक्य रहाणे की अगुवाई में टीम अभी तक अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन नहीं कर पाई है। बल्लेबाजी विभाग में फिन एलन और टिम सीफर्ट जैसे खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन चिंता का विषय रहा है, जबकि वरुण चक्रवर्ती का फॉर्म भी टीम के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। तेज गेंदबाजी विभाग में अनुभव की कमी ने भी टीम के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं। कोलकाता को अब हर विभाग में बेहतर प्रदर्शन करने की सख्त जरूरत है ताकि वे टूर्नामेंट में अपनी स्थिति में सुधार कर सकें और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहें।

दोनों टीमों के बीच पिछले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने 65 रनों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी, जो इस आगामी मैच में उनके आत्मविश्वास को और बढ़ाएगा। सनराइजर्स अपनी जीत की हैट्रिक को छह मैचों तक ले जाना चाहेगी, जबकि केकेआर उस हार का बदला लेने और अपने सीज़न को पटरी पर लाने की पुरजोर कोशिश करेगी। यह मुकाबला निश्चित रूप से रोमांचक होने की उम्मीद है, जिसमें सनराइजर्स की विस्फोटक बल्लेबाजी और केकेआर की वापसी की भूख के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

केएल राहुल बने आईपीएल के नए सिक्सर किंग, विराट और रोहित को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज़ केएल राहुल ने आईपीएल में उस समय इतिहास रचा जब उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेली गई अपनी 75 रनों की मैच जिताऊ पारी के दौरान 5 गगनचुंबी छक्के लगाए। इन 5 छक्कों के साथ केएल राहुल आईपीएल इतिहास में बतौर भारतीय ओपनर 200 छक्के जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिससे उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान विराट कोहली और मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा जैसे दिग्गज बल्लेबाज़ों को भी पीछे छोड़ दिया है। केएल राहुल और विराट कोहली के बीच बतौर ओपनर छक्कों की यह रेस आईपीएल 2026 की शुरुआत से ही चल रही थी, मगर राहुल ने इस महत्वपूर्ण मुकाबले में शानदार प्रदर्शन कर अब इस रेस में निर्णायक बढ़त बना ली है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 226 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, केएल राहुल ने 40 गेंदों पर 75 रनों की धुआँधार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान राहुल ने 6 चौके और 5 गगनचुंबी छक्के लगाए, जिसका मतलब है कि उन्होंने अपनी पारी के 50 प्रतिशत से अधिक रन सिर्फ़ चौके और छक्कों से बनाए। इन 5 छक्कों के साथ, केएल राहुल के नाम आईपीएल इतिहास में बतौर ओपनर कुल 201 छक्के हो गए हैं। वहीं, विराट कोहली 192 छक्कों के साथ दूसरे पायदान पर हैं, जो अब राहुल से 9 छक्के पीछे हो गए हैं। इस लिस्ट में मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज़ रोहित शर्मा काफ़ी पीछे रह गए हैं।

225 रन बनाकर भी राजस्थान हारा, गेंदबाज़ों के सिर फोड़ा रियान पराग ने ठीकरा

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स ने जब 225 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया होगा, तब शायद उसने यह नहीं सोचा होगा कि उसकी टीम इतना बड़ा स्कोर बनाने के बावजूद हार जाएगी। लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज़ों, खासकर केएल राहुल और पथुम निसांका की शानदार पारियों ने राजस्थान के इस स्कोर को बौना साबित करते हुए उन्हें एक करारी शिकस्त दी। दिल्ली के खिलाफ हार के बाद राजस्थान के कप्तान रियान पराग बेहद निराश नज़र आए और उन्होंने अपनी टीम की गलतियों को स्वीकार करते हुए हार का ठीकरा गेंदबाज़ों पर फोड़ा। पराग ने मैच के बाद बताया कि उनकी टीम से कहाँ गलती हुई जिसकी वजह से उन्हें 10 में से चौथी मैच में हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि बीच के ओवरों में उनके गेंदबाज़ों ने खूब रन लुटाए और लगभग हर ओवर में बाउंड्री भी दिए, जिससे टीम को हार का सामना करना पड़ा। उनका मानना था कि 200 के आसपास का स्कोर ठीक था, लेकिन बीच के ओवरों में और बेहतर गेंदबाज़ी की जा सकती थी ताकि विपक्षी टीम पर दबाव बनाया जा सके। केएल राहुल (40 गेंद में 75 रन) और पाथुम निसांका (33 गेंद, 62 रन) के अर्धशतकों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को 19.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर सात विकेट से शिकस्त दी। दिल्ली कैपिटल्स लगातार तीन हार के बाद मिली इस जीत से आठ अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर पहुँच गई, जबकि राजस्थान रॉयल्स 12 अंक से चौथे स्थान पर कायम है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए 'प्लेयर ऑफ़ द मैच' रहे राहुल (छह चौके, पांच छक्के) और निसांका (छह चौके, तीन छक्के) के बीच पहले विकेट के लिए 57 गेंद में 110 रन की महत्वपूर्ण भागीदारी हुई। इसके बाद नीतिश राणा ने 17 गेंद में 33 रन की पारी खेली, और फिर ट्रिस्टन स्टब्स (11 गेंद में नाबाद 18 रन) और आशुतोष शर्मा (15 गेंद में नाबाद 25 रन) ने टीम को पांच गेंद रहते तीन विकेट पर 226 रन तक पहुँचाकर ऐतिहासिक जीत दिलाई।

महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय ब्रिगेड का ऐलान

इन 15 खिलाड़ियों को मिला मौका, हरमनप्रीत को कमान

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। इस बार 15 सदस्यीय टीम की कमान अनुभवी बल्लेबाज हरमनप्रीत कौर को दी गई है, जबकि स्टार ओपनर स्मृति मंधाना को उप-कप्तान बनाया गया है। चयन समिति ने मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में हुई बैठक के बाद टीम को अंतिम रूप दिया, जिसमें मुख्य चयनकर्ता अमिता शर्मा, सचिव देवजीत सैकिया, कप्तान कौर और मुख्य कोच अमोल मजूमदार भी मौजूद रहे।

इस दौरान टीम के चयन में कुछ बड़े और चौंकाने वाले फैसले दिखाई दिए हैं। प्रतिका रावल को टीम में जगह नहीं मिल सकी है, जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया और लेफ्ट आर्म स्पिनर राधा यादव की वापसी हुई है। इसके अलावा तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा को भी टीम में शामिल किया है, जो अभी तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक भी मैच नहीं खेली हैं। वह घरेलू क्रिकेट और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में अपने प्रदर्शन के दम पर चर्चा में आई थीं। राधा यादव की वापसी को चयनकर्ताओं ने उनके हालिया ऑलराउंड प्रदर्शन का इनाम बताया है। उन्होंने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं यास्तिका चोट से उबरकर टीम में लौटी हैं। उन्होंने घुटने की सर्जरी के बाद लंबे समय तक क्रिकेट से दूरी बनाई थी और अब फिट होकर वापसी कर रही हैं। तेज गेंदबाजी विभाग इस समय चोटों से जूझ रहा है। ऑलराउंडर अमनजोत कौर पीठ की चोट के कारण बाहर हैं, जबकि कशवी गौतम को घुटने की गंभीर चोट के चलते ऑपरेशन कराना पड़ा है। इसके बाद नंदनी शर्मा को टीम में शामिल कर गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देने की कोशिश की गई है।

भारतीय टीम को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप 1 में रखा गया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड्स जैसी टीमें शामिल हैं। भारत अपना पहला मुकाबला 14 जून को बर्मिंघम में पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद नीदरलैंड्स, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों से मुकाबला होगा। भारत अब तक महिला टी20 विश्व कप का खिताब नहीं जीत सका है। 2020 में ऑस्ट्रेलिया में हुए टूर्नामेंट में टीम उपविजेता रही थी। अब 2026 में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम पहली बार खिताब जीतकर इतिहास रचने की कोशिश करेगी।

महिला टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), श्री चरानी, यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नंदिनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, क्रांति गौड़, श्रेयंका पाटिल और राधा यादव का नाम शामिल है।

जैमीसन को बेहद आक्रामक अंदाज़ में जश्न मनाना पड़ा मंहगा

नई दिल्ली इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में गेंदबाज़ों की ताबड़तोड़ कुटाई कर रहे राजस्थान रॉयल्स के ओपनर वैभव सूर्यवंशी का बल्ला शुक्रवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खामोश रहा, जब वे सिर्फ़ 4 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन इस विकेट के बाद दिल्ली के न्यूजीलैंड तेज़ गेंदबाज़ काइल जैमीसन के आक्रामक जश्न ने सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी, और उन्हें प्रशंसकों की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा। वैभव सूर्यवंशी, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाज़ी और 250 से अधिक की स्ट्राइक रेट के लिए जाने जाते हैं, उनका विकेट किसी भी टीम के लिए बेहद अहम माना जाता है। काइल जैमीसन ने शानदार यॉर्कर फेंकी, जिससे 15 वर्षीय सूर्यवंशी के पास कोई जवाब नहीं था और वे क्लीन बोल्ड हो गए। विकेट लेने के बाद, जैमीसन ने बेहद आक्रामक अंदाज़ में जश्न मनाया। उन्होंने सूर्यवंशी के सामने ज़ोर-ज़ोर से ताली बजाई और उन्हें सैंड ऑफ दिया, मानो उन्होंने किसी महान बल्लेबाज़ का विकेट हासिल किया हो। हालांकि जैमीसन के इस आक्रामक व्यवहार ने शायद उनकी टीम को पसंद आया हो, लेकिन सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इसकी कड़ी निंदा की। कई यूज़र्स ने जैमीसन के व्यवहार को अनुचित बताया, खासकर इसलिए क्योंकि वैभव सूर्यवंशी सिर्फ़ 15 साल के युवा खिलाड़ी हैं। यह बात सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगी कि एक अनुभवी अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज़ का एक किशोर खिलाड़ी के प्रति ऐसा व्यवहार कितना उचित है। एक यूज़र ने अपनी नाराज़गी व्यक्त करते हुए लिखा, अरे भाई ठंड रखो, वो सिर्फ़ 15 साल का ही है। एक अन्य यूज़र ने टिप्पणी की, अरे भाई, एक 15 साल के बच्चे का विकेट लेकर इतना खुश हो रहे हैं। ऐसे जश्न मना रहे हो यह बता रहा है कि उनका लगाया चौका आपके इगो को हर्ट कर गया। कई प्रशंसकों ने जैमीसन के इस कृत्य पर हँसते हुए इमोजी का उपयोग करके उनकी खिल्ली उड़ाई और सवाल उठाया कि क्या खेल भावना का सम्मान नहीं करना चाहिए। प्रशंसकों की नाराज़गी इस बात पर केंद्रित थी कि खेल में खेल भावना का सम्मान होना चाहिए, और एक युवा खिलाड़ी के प्रति इस तरह का आक्रामक सैंड ऑफ उचित नहीं था, भले ही वह विकेट कितना भी महत्वपूर्ण क्यों न रहा हो। इस घटना ने एक बार फिर आईपीएल में खिलाड़ियों के व्यवहार और खेल भावना के महत्व पर एक नई चर्चा का विषय छेड़ दिया है, जहाँ फैंस उम्मीद करते हैं कि खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सम्मान और परिपक्वता भी दिखाएं।

धोनी, रोहित और सूर्यकुमार: आईपीएल 2026 की सबसे वायरल तस्वीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के सबसे यादगार पलों में से एक तब सामने आया जब भारत के तीन आईसीसी वर्ल्ड चैंपियन खिलाड़ी एक साथ एक ही फ्रेम में नज़र आए। महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ सूर्यकुमार यादव की एक तस्वीर ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया और क्रिकेट प्रेमियों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। यह तस्वीर चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच शनिवार शाम होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले चेपॉक में दोस्ती और सम्मान की एक अनोखी झलक दिखाती है।

इस ख़ास पल को मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज़ सूर्यकुमार यादव ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किया। उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, ÷ग्रुप डीपी मिल गया। बस ग्रुप का नाम सजेस्ट करो।÷ इस पोस्ट ने तुरंत प्रशंसकों का ध्यान खींचा और कमेंट्स की बाढ़ आ गई, जहाँ हर कोई इन तीनों क्रिकेट दिग्गजों को एक साथ देखकर उत्साहित था। यह तस्वीर ऐसे समय में सामने आई है जब चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस दोनों ही टीमें आईपीएल 2026 में अपनी उम्मीदें बरकरार रखने के लिए करो या मरो के मुकाबले में आमने-सामने होंगी। लीग की ये दो सबसे सफल टीमें इस सीज़न लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही हैं, और प्लेऑफ़ की दौड़ में बने रहने के लिए दोनों ही टीमें जीत के लिए बेताब हैं।

रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली सीएसके अपने घरेलू मैदान चेपॉक पर भी इस सीज़न अस्थिर नज़र आई है। उनकी मिडिल ऑर्डर कमजोर रही है, वहीं गेंदबाज़ दबाव में मैच खत्म करने में नाकाम रहे हैं। पिछली बार जब दोनों टीमें वानखेड़े में भिड़ी थीं, तब संजू सैमसन के शतक की बदौलत सीएसके ने 103 रन से शानदार जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार मुंबई इंडियंस बदला लेने के इरादे से उतरेगी। सीएसके फिलहाल आठ मैचों में तीन जीत के साथ छठे स्थान पर है और टीम को अपने अनुभवी खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी की पिंडली की चोट के कारण गैरमौजूदगी का भी सामना करना पड़ रहा है।

वहीं मुंबई इंडियंस का सफ़र भी कुछ ऐसा ही रहा है। टॉप ऑर्डर की अच्छी शुरुआत के बावजूद, उनकी कमजोर मिडिल ऑर्डर और अनियमित गेंदबाजी ने उन्हें कई अहम मैचों में हार दिलाई है, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 243 रन का बचाव करने में नाकामी भी शामिल है। नौवें स्थान पर काबिज़ मुंबई इंडियंस के लिए राह और भी मुश्किल है। प्लेऑफ़ की उम्मीदें ज़िंदा रखने के लिए उन्हें बाकी सभी मैच जीतने होंगे, जिससे यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। इस रोमांचक मुकाबले से पहले तीनों दिग्गजों की यह तस्वीर क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक सुखद अनुभव लेकर आई है, जो खेल की प्रतिस्पर्धा के बीच भी सम्मान और दोस्ती की मिसाल पेश करती है।

संजू सैमसन ऑरेंज कैप की दौड़ में पिछड़े, शीर्ष-5 में वापसी की चुनौती

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार बल्लेबाज़ संजू सैमसन ने दो शानदार शतक लगाए हैं, लेकिन इसके बावजूद वह ऑरेंज कैप की रेस में काफ़ी पिछड़ गए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने पिछले मैच में फ्लॉप रहने के बाद, सैमसन ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष-10 बल्लेबाज़ों की सूची से भी बाहर होकर 13वें पायदान पर आ गए हैं। सैमसन कई मैचों में बड़ी और प्रभावशाली पारियाँ तो खेल रहे हैं, लेकिन उनकी निरंतरता की कमी उन्हें शीर्ष पर पहुँचने से रोक रही है। जब उनका बल्ला नहीं चलता तो वह काफ़ी सस्ते में आउट हो जाते हैं, यही कारण है कि वह कुछ ही समय में ऑरेंज कैप की रेस में पिछड़ गए हैं। राजस्थान रॉयल्स से चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में शिफ्ट हुए सैमसन इस सीज़न पहली बार पीली जर्सी में नज़र आए। अभी तक सीएसके के लिए खेले 9 मैचों में उनके बल्ले से 50.67 की औसत और 169.83 के स्ट्राइक रेट के साथ 304 रन निकले हैं, जिसमें मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उनके दो शानदार शतक भी शामिल हैं।